वर्ष 24, अंक 268, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार 5 अप्रैल 2025 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

अलविदा भारत

'एक सांस आती है, अगली आएगी या नहीं किसी को नहीं पता'

मनोज कुमार ने 87 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

मुंबई-
अभिनेता और फिल्म निमार्ता-निर्देशक मनोज कुमार का 87 वर्ष की आयु में गुरुवार सुबह कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में निधन हो गया. तबीयत बिगड़ने पर उन्हें 21 फरवरी, 2025 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

डॉक्टर ने दी जानकारी

कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल के सीईओ और कार्यकारी निदेशक डॉ. संतोष शेट्टी ने एक बयान में कहा, " अभिनेता मनोज कुमार जी का सुबह लगभग 3 बजकर 30 मिनट पर कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल में उम्र से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के कारण निधन हो गया. वह पिछले कुछ हफ्तों से अस्पताल में भर्ती थे."

मनोज कुमार को देशभक्ति के किरदारों के दमदार चित्रण के लिए प्यार से 'भारत कुमार' कहा जाता था.

अभिनेता मनोज कुमार का एक पुराना वीडियो सामने आया है, जिसमें वह जिंदगी की सच्चाई और मृत्यु के बारे में बात कर रहे हैं. मनोज कुमार कहते नजर आए कि अगले क्षण किसी के भी साथ क्या हो जाएगा, यह किसी को नहीं पता. इसका अंदाजा कोई भी नहीं लगा सकता है.

साथ ही सामने आए पुराने वीडियो में मनोज कुमार फिल्म स्टार बनने की चाह रखने वाले लोगों के लिए दुआ करते और उन्हें शुभकामनाएं देते नजर आए.

सुपरस्टार ने क्या कहा?

उन्होंने कहा, मैं प्रभु से यही प्रार्थना करता रहता हूं कि हे प्रभु, जैसे मैं आंखों में सपने लेकर यहां (मुंबई) आया था, वैसे ही अन्य लोग भी यहां आते हैं. ईश्वर आप सभी को सफलता दें, सबके सपने साकार हो. मैं सबका शुभचिंतक हूं।

'हमारी धार्मिक स्वतंत्रता को कैसे कुचल सकते हैं?- इमरान मसूद

नई दिल्ली
मसूद ने एएनआई से कहा कि समानता के अधिकार को सुरक्षित रखना सरकार की जिम्मेदारी है। आप हमारी धार्मिक स्वतंत्रता को कैसे कुचल सकते हैं? आप पसमांदा, गरीब मुसलमानों की बात करते हैं...लेकिन आप मदरसे बंद कर रहे हैं। मदरसे में कौन पढ़ता है?

वक्फ संशोधन विधेयक के पारित होने पर विपक्ष द्वारा कड़ी आपत्ति जताए जाने के बीच, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने शुक्रवार को केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता को बुलडोजर चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने मदरसों को बंद करने पर प्रकाश डालते हुए पसमांदा मुसलमानों के लिए सरकार की चिंता पर सवाल उठाया, जहां उन्होंने कहा कि गरीब बच्चे पढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वक्फ संशोधन विधेयक के पारित होने के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी।

मसूद ने एएनआई से कहा कि समानता के अधिकार को सुरक्षित रखना सरकार की जिम्मेदारी है। आप हमारी धार्मिक स्वतंत्रता को कैसे कुचल सकते हैं? आप पसमांदा, गरीब मुसलमानों की बात करते हैं...लेकिन आप मदरसे बंद कर रहे हैं। मदरसे में कौन पढ़ता है? सिर्फ गरीब बच्चे। उन्होंने केंद्र सरकार पर अल्पसंख्यकों के अधिकारों को कुचलने का आरोप लगाया। मसूद ने कहा कि समानता का अधिकार संविधान द्वारा दिया

गया है और संविधान का संरक्षक सुप्रीम कोर्ट है। हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। क्या आप सिर्फ इसलिए धार्मिक स्वतंत्रता के हमारे अधिकार को छीन लेंगे क्योंकि आपके पास बहुमत है?

कांग्रेस सांसद ने कहा कि बहुमत होने का मतलब यह नहीं है कि आप अल्पसंख्यकों के अधिकारों को कुचल सकते हैं। चूंकि आपके पास संविधान को बदलने का अधिकार नहीं है, इसलिए आप इसे आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस बीच, भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने संसद द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित करने के बड़े सुधार की सराहना करते हुए कहा कि वक्फ संपत्तियों को एक पोर्टल में पंजीकृत नहीं किया जाएगा जिसे जल्द ही अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड गरीब मुसलमानों के लिए संपत्तियों पर विश्वविद्यालय और अस्पताल खोलने में विफल रहा। उन्होंने आगे कहा कि गरीबों के बजाय केवल कुछ ही लोग इसका लाभ उठाने में कामयाब रहे हैं।

जो पार्टी छोड़ रहे उन्हें हम भी नहीं जानते- संजय झा

जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा का इस पर बड़ा बयान आया है। संजय झा ने कहा कि जिन मुस्लिम नेताओं ने वक्फ बिल के विरोध में जदयू से इस्तीफा देने का ऐलान किया है, उन्हें वह खुद नहीं जानते। उन्होंने कहा कि वक्फ बिल वक्फ संपत्तियों के कुप्रबंधन को दूर करने के लिए लाया गया था।

जेडी(यू) के एक अन्य नेता नदीम अख्तर ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। वह वक्फ संशोधन विधेयक को पार्टी द्वारा समर्थन दिए जाने के कारण पार्टी छोड़ने वाले पांचवें सदस्य बन गए हैं। उनके इस्तीफे के बाद जेडी(यू) नेता राजू नैयर, तबरेज सिद्दीकी अलीग, मोहम्मद शाहनवाज मलिक और मोहम्मद कासिम अंसारी सहित चार अन्य नेताओं ने भी इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले जेडी(यू) नेता राजू नैयर ने अपने इस्तीफे में लिखा था, "वक्फ संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित होने और उसका समर्थन किए जाने के बाद मैं जेडी(यू) से इस्तीफा देता हूं।"

वहीं, जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा का इस पर बड़ा बयान आया है।

संजय झा ने कहा कि जिन मुस्लिम नेताओं ने वक्फ बिल के विरोध में जदयू से इस्तीफा देने का ऐलान किया है, उन्हें वह खुद नहीं जानते। उन्होंने कहा कि वक्फ बिल वक्फ संपत्तियों के कुप्रबंधन को दूर करने के लिए लाया गया था। बिहार में हुई जाति जनगणना में पसमांदा मुसलमान, अंसारी, मंसूरी समुदाय शामिल हैं।

'सात प्रधानमंत्रियों ने मेरे से बातचीत की थी'

मैं राजनीतिक पार्टी का नेता हूं, आतंकवादी नहीं

नई दिल्ली
मलिक ने कहा कि इस बयान ने मेरे खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी की है। केंद्र सरकार ने मेरे संगठन को यूएपीए के तहत आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया है। यह ध्यान देने योग्य है कि 1994 में एकतरफा युद्धविराम के बाद, मुझे न केवल 32 मामलों में जमानत दी गई, बल्कि किसी भी मामले में आगे नहीं बढ़ाया गया।

जेल में बंद जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह राजनीतिक नेता हैं, आतंकवादी नहीं और दावा किया कि अतीत में सात प्रधानमंत्रियों ने उनसे बातचीत की थी। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और उज्ज्वल भुइयां की पीठ के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए मलिक ने सीबीआई का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलील का हवाला दिया कि आतंकवादी हाफिज सईद के साथ उनकी तस्वीरें थीं और इसे सभी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दैनिक समाचार पत्रों और टेलीविजन चैनलों ने कवर किया था।

मलिक ने कहा कि इस बयान ने मेरे खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी की है। केंद्र सरकार ने मेरे संगठन को यूएपीए के तहत आतंकवादी संगठन के रूप में

सूचीबद्ध नहीं किया है। यह ध्यान देने योग्य है कि 1994 में एकतरफा युद्धविराम के बाद, मुझे न केवल 32 मामलों में जमानत दी गई, बल्कि किसी भी मामले में आगे नहीं बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव, एच डी देवेगौड़ा, इंद्र कुमार गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ मनमोहन सिंह और यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले पांच वर्षों के कार्यकाल के दौरान भी सभी ने युद्ध विराम का पालन किया। अब अचानक मौजूदा सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में मेरे खिलाफ 35 साल पुराने आतंकवादी मामलों की सुनवाई शुरू कर दी है। यह युद्ध विराम समझौते के खिलाफ है।

मेहता ने तर्क दिया कि मौजूदा मामले में संघर्ष विराम का कोई महत्व नहीं है। पीठ ने कहा कि वह मामले के गुण-दोष पर निर्णय नहीं कर रही और केवल यह तय कर रही है कि उसे गवाहों से डिजिटल माध्यम से जिरह करने की अनुमति दी जानी चाहिए या नहीं। मलिक ने कहा कि वह सीबीआई की इस दलील का जवाब दे रहा था ।

सोनिया गांधी की टिप्पणी को लेकर भड़की बीजेपी

लोकसभा में हंगामा, ओम बिरला ने भी कही बड़ी बात

नई दिल्ली
सदस्यों ने सोनिया गांधी माफी मांगो जैसे नारे लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने कहा था कि भाजपा देश में ध्रुवीकरण कर रही है और वक्फ (संशोधन विधेयक) संविधान पर एक खुला हमला है।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार और वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 के खिलाफ टिप्पणी पर सत्ता पक्ष के जोरदार विरोध के बाद शुक्रवार को लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई। सदस्यों ने सोनिया गांधी माफी मांगो जैसे नारे लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने कहा था कि भाजपा देश में ध्रुवीकरण कर रही है और वक्फ (संशोधन विधेयक) संविधान पर एक खुला हमला है।

हंगामे के जवाब में विपक्षी सदस्यों ने भी नारे लगाए और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर हाल ही में लगाए गए टैरिफ के संबंध में सरकार से जवाब मांगा। संसद के दोनों सदनों में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित हो गया, हालांकि विपक्ष ने दावा किया कि यह ह्लअसंवैधानिकह्व है और इससे देश की शांति और सद्भावना भंग होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने के दौरान संसदीय प्रक्रियाओं पर सवाल उठाने के लिए सोनिया गांधी की आलोचना की। ओम बिरला ने शुक्रवार को कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी का नाम लिए बिना कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को पारित किए जाने पर उनकी टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण और संसदीय लोकतंत्र की मयार्दा के अनुरूप नहीं है।

शहीद सिद्धार्थ यादव की अंतिम विदाई, रोते हुए मंगेतर बोलीं-

'बेबी, तू आया नहीं, तूने कहा था...'

हरियाणा: हरियाणा के रेवाड़ी के शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव को आज राष्ट्रीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई. पैतृक गांव भालखी माजरा में उनके पिता सुशील यादव ने 28 साल के शहीद बेटे की चिता को मुखाग्नि दी. अंतिम विदाई के दौरान भी एयरफोर्स की टुकड़ी ने उल्टे हथियार से फायर कर शहीद सिद्धार्थ को श्रद्धांजलि दी.

सिद्धार्थ की 10 दिन पहले ही सगाई हुई थी. अंतिम संस्कार में शामिल होने शहीद की मंगेतर सानिया भी पहुंची. इस दौरान वह पार्थिव देह को देख रोती रहीं. सिद्धार्थ की तस्वीर देख सानिया बोली, "बेबी तू आया नहीं मुझे लेने. तूने कहा था तू आएगा."

सिद्धार्थ यादव और सानिया की शादी 2 नवम्बर को होनी थी. सानिया पा?र्थिव शरीर को देखकर बार-बार रोते हुए कहती रहीं, "प्लीज एक बार मुझे उनकी शक्ल दिखा दो." मंगेतर सानिया ने कहा कि मुझे सिद्धार्थ पर गर्व है. सिद्धार्थ की शादी 2 नवंबर को होनी थी, जिसके लिए घर में तैयारियां भी चल रहीं थीं.

मुझे अपने बेटे पर गर्व है- मां

शहीद की मां माता सुशीला यादव और बहन खुशी भी रोती रहीं. इस मौके मां सुशीला ने कहा, "मुझे अपने बेटे पर गर्व है. मैं देश की हर मां से कहना चाहती हूं कि वे अपने बेटों को देशसेवा के लिए सेना में भेजें. मुझे उसकी जननी होने पर गर्व है. वो देश के लिए डरा नहीं. मेरा पूरा परिवार सेना में था. ये जानते हुए भी मैंने उसे सेना में भेजा. मुझे उसकी शहादत पर गर्व है. रुंधे गले से कहा कि उसके नेचर का मैं नहीं बता सकती, वो कैसा था? "

सिद्धार्थ के पिता सुशील यादव बोले कि उनका सपना था कि बेटा चीफ ऑफ एयर स्टॉफ बनकर ही घर आए. हर एयरफोर्स अधिकारी के पिता का यही सपना होता है, उनका भी यही सपना था. सिद्धार्थ घर से गया तो शादी के बारे में ही बात हुई थी।

'अवैध कब्जों और भ्रष्टाचार को खत्म करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम'

उत्तर प्रदेश: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 का पारित होना वक्फ संपत्तियों से संबंधित मुद्दों को हल करने के साथ ही अवैध कब्जों और भ्रष्टाचार को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 के पारित होने पर सभी को बधाई देते हुए योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के साथ ही वक्फ संपत्तियों को अवैध कब्जों और भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाने में कारगर सिद्ध होगा.

मुख्यमंत्री ने कहा, देश की संप्रभुता को सुदृढ़ करते इस लोक-कल्याणकारी प्रयास हेतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी का कोटिशः आभार.

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी इस कदम की सराहना करते हुए इसे ऐतिहासिक फैसला और मोदी के नेतृत्व में एक बड़ा सुधार बताया. मौर्य ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, लोकसभा और राज्यसभा से वक्फ संशोधन विधेयक पास होने पर देश के उन गरीब मुस्लिम परिवारों को बधाई, जिन्हें इसका सबसे अधिक लाभ मिलेगा।

'मस्जिद पर प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट लागू नहीं होता'

हिंदू पक्ष के दावे पर बोले CJI- नो नो...

मथुरा
मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद में नया मोड़ आ गया है. सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (4 अप्रैल, 2025) को कहा कि वह हिंदू पक्ष के इस दावे की जांच करवाएग कि विवादित ढांचा एक एएसआई संरक्षित स्मारक है. हिंदू पक्ष की ओर से एडवोकेट विष्णु जैन ने कोर्ट में कहा कि विवादित ढांचे का संरक्षण आर्कियोलॉजिकल सर्वे कर रहा है इसलिए वहां मस्जिद का नमाज के लिए इस्तेमाल नहीं हो सकता है. इस स्थान पर प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट लागू नहीं होता है.

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार की बेंच ने हिंदू पक्ष को नोटिस जारी किया है. मुस्लिम पक्ष ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें हिंदू पक्ष को उनके मुकदमे में संशोधन करने और एएसआई को भी पार्टी बनाने की अनुमति दी गई है. कोर्ट में हिंदू पक्ष की ओर से एडवोकेट विष्णु जैन ने कहा कि ये एएसआई संरक्षित स्मारक है इसलिए यहां वर्शिप एक्ट लागू नहीं होता. इस पर सीजेआई संजीव खन्ना ने टोकते हुए कहा- नो नो... ये मुद्दा हमारे पास लंबित है.

बेंच ने कहा, जहां तक ये सवाल है कि विवादित स्थान एएसआई संरक्षित है और मस्जिद के तौर पर उसका उपोयग नहीं किया जा सकता है, तो ये मामला हमारे पास लंबित है. हमने कहा था कि कोई अंतरिम आदेश पारित न किया जाए और फिर भी आपने हाईकोर्ट को ये बात नहीं बताई.' हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा कि

हाईकोर्ट की ओर से हिंदू पक्ष को मुकदमे में संशोधन की अनुमति देना प्रथम दृष्टया सही प्रतीत होता है.

इलाहाबाद हाईकोर्ट के समक्ष आवेदन इस दावे पर आधारित था कि एएसआई संरक्षित स्मारक का उपयोग मस्जिद के तौर पर नमाज के लिए नहीं किया जा सकता है और ऐसे स्थानों पर प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट लागू नहीं होता है. कोर्ट ने हिंदू पक्ष से कहा कि आपको वाद में संशोधन करने और पार्टियों को पक्षकार बनाने का अधिकार है. कोई पक्ष पूर्वव्यापी है या नहीं, वो अलग मुद्दा है. कोर्ट ने कहा कि हिंदू पक्ष वाद में बदलाव कर सकते हैं और ये मुद्दा भी उठा सकते हैं कि वर्शिप एक्ट लागू होगा या नहीं इसलिए हाईकोर्ट का यह आदेश सही प्रतीत हो रहा है.

कोर्ट ने कहा कि ये कोई नया मामला नहीं है और अगर आप बचाव में कोई नया दावा करते हैं तो उसको चुनौती देने का भी दूसरे पक्ष को हक है. इसके बाद कोर्ट ने नई याचिका को पहले से लंबित याचिकाओं के साथ जोड़ दिया और सुनवाई की तारीख 8 अप्रैल दी है. हाईकोर्ट में हिंदू पक्ष ने एएसआई को पार्टी बनाने और वाद में संशोधन के लिए अपील की थी. हिंदू पक्ष का कहना है कि साल 1920 में जब उत्तर प्रदेश ब्रिटिश हुकूमत में यूनाइटेड प्रोविंस था, तब उसके लेफ्टिनेंट गवर्नर ने इस मस्जिद को एएसआई स्मारक घोषित किया था।

सड़क हादसे में इकलौते बेटे की दर्दनाक मौत

अखंड भारत संदेश

सौरभ की फाइल फोटो

घायल युवक

शंकरगढ़। गुरुवार की शाम शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी, जिसने एक परिवार की खुशियों को हमेशा के लिए गम में बदल दिया। तेज रफ्तार हाईवे की चपेट में आकर बीएससी छात्र सौरभ सिंह (20) की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त प्रदीप पाल (20) जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है।

शंकरगढ़ के बसहरा उपरहार निवासी सौरभ सिंह अपने दोस्त प्रदीप पाल के साथ बाइक से शंकरगढ़ जा रहा था।वह दोस्त के इलाज के लिए दवा लेने निकले थे, पहले वह कल्याणपुर से बसहारा गया, जहां पर डॉक्टर नहीं मिले जिस कारण वह रानीगंज स्थित एक अस्पताल में दिखाने जा रहे थे।इसबीच रास्ते में कल्याणपुर के पास एक बेकाबू हाईवे ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी और दोनों दोस्त सड़क पर लहूलुहान होकर गिर पड़े। मौके पर मची चीख-पुकार के बीच राहगीरों ने तुरंत परिवार को सूचना दी। परिजन आनन-फानन में दोनों को सीएचसी शंकरगढ़ ले गए, जहां से हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था और रात होते-होते सौरभ ने दम तोड़ दिया।

सौरभ घर का इकलौता चिराग था और अपने परिवार की आखिरी उम्मीद था। उसके पिता का पहले ही निधन हो चुका था। घर में बस उसकी एक छोटी बहन बची है। मां अनारकली की ममता का आखिरी सहारा छिन जाने से घर और गांव में मातम पसरा है।

एसओ ओमप्रकाश ने बताया कि हाईवा ट्रक का पता लगा लिया गया है। घरवालों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बारिश से गेहूं की फसल को बचाता हुआ किसान

बारिश ने किया अन्नदाताओं को हलाकान फसल व भूसे को हुआ नुकसान

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। बादलों की तेज गरज के साथ शुक्रवार दोपहर हुई बारिश ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी। पिछले दस दिनों से कटाई मढ़ाई में जुटे किसान जब तक अपनी फसलों को सुरक्षित कर पाते तभी अचानक खराब मौसम के साथ हुई बारिश ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। बेमौसम बारिश से गेहूं की कटाई के साथ ही मढ़ाई का भी कार्य प्रभावित हो गया है। किसानों के अनुसार अब फसल सूखने में भी समय लगेगा। जिससे उनकी चिता बढ़ गई है। वीरकाजी गांव के किसान धर्मराज गौतम व राम उजागिर चौहान ने बताया की बारिश से खेतों में खड़ी फसल को काटने में जहां देरी होगी वहीं मढ़ाई के लिए इकट्ठा की गई गेहूं की फसल भी भींग गई। अब गेहूं के बोझ को सुखाने के बाद ही मढ़ाई हो सकेगी। किसान सुभाष गौतम ने बताया की मढ़ाई के बाद अनाज व भूसा खेतों में ही पड़ा था तभी बारिश होने लगी जिससे भूसा भी भीग गया।

न्यूज झरोखा

उद्योग व्यापार मंडल प्रदेश मंत्री बने सत्यम शुक्ला, व्यापारियों में छाई खुशी की लहर

नैनी। नैनी के व्यापारी सत्यम शुक्ला बने प्रयागराज उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल (रजि0) में सत्यम शुक्ला पुत्र स्व 0 ओम प्रकाश शुक्ला, नैनी सब्जी मंडी निवासी को प्रदेश कार्यकारणी में प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया। हर्ष उल्लास के साथ सत्यम शुक्ला ने कहा कि व्यापारियों के उत्थान के लिए हर संभव सहयोग करूंगा, साथ ही संगठन को तन मन धन के साथ आगे बढ़ाऊंगा। इस मौके पर रंजीत गुप्ता, अतुल केसरवानी, डॉ संदीप पाल, राजन शुक्ला, गोपाल शुक्ला, रिशु शर्मा, गणेश पांडे, कमलेश पांडे, विपुल, सुनील, राम सागर गुप्ता ने बधाई दी।

रुक्मणी - श्री कृष्ण का विवाह एक साधारण विवाह नहीं था : पं लक्ष्मी नारायण

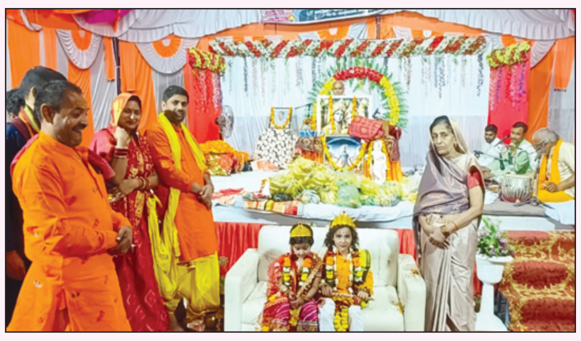

करछना। क्षेत्र के डीहा गांव के भास्कर भवन में चल रही साप्ताहिक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में कथा के छठवें शुक्रवार के दिन कथा व्यास पं लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने रुक्मिणी विवाह के प्रसंग की कथा सुना कर उन्होंने भक्त श्रोता लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। उन्होंने बताया कि श्री कृष्ण के साथ रुक्मिणी का विवाह साधारण विवाह नहीं था। जबकि एक असाधारण विवाह था। जिसमें विवाह होना था शिशुपाल से लेकिन हो गया गोपाल से। जिसमें शक्ति पर भक्ति भारी पड़ी। कलाकारों की ओर से श्री कृष्ण व रुक्मिणी की मनमोहक झांकी भी प्रस्तुत की गई।जो कि लोगों को मंत्र मुग्ध किए रही। इसके पूर्व उन्होंने रासलीला,मथुरा गमन, कंस वध,कुबजा उद्धार व शिशुपाल वध की कथा कही। कथा की मुख्य श्रोता यजमान सुनैना मिश्रा की ओर से कथा व्यास सहित आचार्य पं सत्य प्रकाश पांडेय,पं मनीष तिवारी, पं सुधांशु मिश्र का माल्यार्पण करके अभिनंदन किया गया।और भागवत भगवान की आरती उतारी । कार्यक्रम के आयोजक सुनैना इंटरप्राइजेज के निदेशक अमित मिश्र व संयोजक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता सुमित मिश्र की ओर से कथा में मौजूद सभी भक्त लोगों के प्रति आभार जताया गया। वहीं रात्रिकालीन में संगीतज्ञ वाद्य कलाकार विनय मिश्र, राजीव तिवारी, सुरेंद्र की ओर से भजन संध्या की प्रस्तुतियां भी हुई। इस मौके पर प्रधानाचार्य कृष्ण प्रकाश तिवारी, राजेश मिश्र,श्याम शंकर तिवारी,अखिलेश ओझा,ध्रुव नारायण मिश्र सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त लोग मौजूद रहे।

गौहनिया उपकेंद्र से जुड़े गांव व बाजारों में होगी बिजली कटौती, जर्जर तार व पोल पर होगा मरम्मत का कार्य

जसरा। 33/11 उपकेन्द्र गौहनिया के अंतर्गत आने वाले गांव व बाजारों में शनिवार को बिजली की आपूर्ति ठप रहेगी। उपखंड अधिकारी एसपी गौतम ने बताया कि नारीबारी क्षेत्र में जर्जर बिजली के तारों व खंभों पर शनिवार से मरम्मत का कार्य किया जाएगा। जिसको लेकर गौहनिया उपकरण से जुड़े सभी उपभोक्ताओं को सुबह 9:00 बजे से लेकर सायं 4:00 बजे तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। उक्त जानकारी देते हुए बताया गया कि क्षेत्र के सभी लोग पीने के पानी व अन्य संबंधित कार्य समय से निपटा लें। जिससे किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े।

आकाशीय बिजली गिरने से घर में लगे उपकरण जले, हजारों का हुआ नुकसान

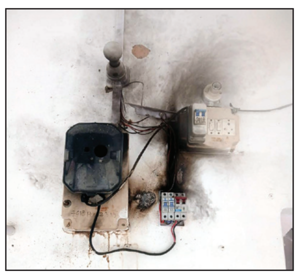

सहसों। थरवई थाना क्षेत्र के बेलवा गांव में शुक्रवार को मकान पर आकाशीय बिजली गिरने से आसपास के कई घरों के बिजली उपकरण जल गए। वहीं पर मकान में दरारें भी आ गई। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह लगभग 11:30 बजे अचानक मौसम का मिजाज बिगड़ने से बेलवा गांव में मनीष कुमार गुप्ता के छत पर आकाशीय बिजली गिर गई। जिससे छत में दरारें आ गई वहीं पर घरों में लगे विद्युत उपकरण जल गए। इसके अतिरिक्त आसपास के पूर्व प्रधान धर्मेंद्र मौर्य, धर्मवीर मौर्य, अरविंद कुमार सिंह, प्रेम शंकर मौर्य, रविंद्र मौर्य, पंचू लाल मौर्य, धर्मजीत मौर्य आदि के घरों में भी लगे विद्युत उपकरण जल गए। आकाशीय बिजली गिरने की आवाज से पूरे गांव में हड़कंप मच गया तथा लोग मौके पर पहुंचकर जानकारी लेने लगे। मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई। यह तो अच्छा रहा की सभी लोग बरामदे में थे अन्यथा घर के अंदर होते तो नुकसान और भी हो सकता था। परंतु फिर भी आसपास के कई घरों के विद्युत उपकरण जल जाने से हजारों रुपए का नुकसान हो गया। मौके पर पहुंची 112 पुलिस ने जांच पड़ताल कर वापस चली गई।

महिला को मारा पीटा गया जान से मारने की धमकी दी गई मुकदमा दर्ज

मऊआइमा । वाहन मोडने को लेकर महिला को मारा पीटा गया महिला ने चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम चकशाहबेग उर्फ रामपुर डांडी निवासनीय गुलशन बानों पुत्री स्वर्गीय मोहम्मद मुस्तफा का आरोप है कि उसके विपक्षी उसके दरवाजे से वाहन मोड रहे थे। बोलने पर मारे पीटे गालियां दी और जान से मारने की धमकी दी।गुलशन बानों ने मऊआइमा थाने में मोहम्मद तौफीक, मोहम्मद जावेद,अख्तर अली, मोमिना बानों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

आठ विश्वा गेहूं की फसल जलकर राख, ग्रामीणों की मदद से बुझी आग

सहसों। थाना थरवई के चंदरपुर उर्फ बसमहुआ गांव में शुक्रवार की दोपहर अशोक यादव पुत्र अमरनाथ यादव के खेत में आग की लपटे दिखाई दिया। जिसे देखकर ग्रामीण शोर मचाने लगे। आवाज सुनकर काफी संख्या में ग्रामीण खेत में पहुंचे और जल रही फसल पर किसी तरह से काबू पाया। आग से आठ बिस्वा काटी गई गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। नुकसान हुए फसल की सूचना पीड़ित ने तहसील प्रशासन को दे दी है। पीड़ित अशोक यादव व रमाकांत मौर्य ने बताया कि गनीमत यह रहा कि सुबह हल्की वर्षा हो जाने से गेहूं की फसल नम हो गई थी। जिससे आग से बड़ा हादसा होने से बच गया। किसानों के अनुसार अंदेशा जताया जा रहा है कि खेत के ऊपर से हाई टेंशन तार गया हुआ है। हो सकता है कि इसी के कारण घटना घटी होगी।

मऊआइमा कस्बा चौकी का फीता काट कर एडीशनल डीसीपी ने किया उद्घाटन

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। नव निर्मित मऊआइमा कस्बा चौकी का एडीशनल डीसीपी गंगानगर पुष्कर वर्मा ने फीता काट कर उद्घाटन किया। उक्त चौकी कस्बा के पक्का तालाब के निकट निर्मित की गयी है। इस अवसर पर एसीपी फूलपुर पंकज लवनिया ने कहा कि चौकी निर्माण में स्थानीय लोगों का काफी सहयोग रहा है। चौकी के चारों तरफ सीसी कैमरे की अवश्यकता है।इसके पूर्व नव निर्मित चौकी में पूजा अर्चना की गयी। इंस्पेक्टर मऊआइमा वीरेंद्र कुमार मिश्रा, द्वितीय इंस्पेक्टर सचिन्द्र कुमार, चौकी प्रभारी अनुराग शर्मा, अशुतोष कुमार, कांस्टेबल ओमप्रकाश सिंह, कप्तान सिंह, सरफराज, शिवकांत आदि महिला कांस्टेबल सहित समस्त पुलिसकर्मी मौजूद थे। इस अवसर पर चेयरमैन शोएब अंसारी, राजेन्द्र गौतम,सभा सद रवि साहू, सभासद प्रदीप कुमार केसरवानी, मोहम्मद आलम, मौलाना अब्दुल सलाम, सचिन खत्री आदि मौजूद थे।

घरों में आ रहा दूषित पानी लोग परेशान

झूंसी। नवरात्र के दिनों में घरों के नलों में आ रहे दूषित व बदबूदार पानी की वजह से लोग परेशान है और मजबूरन पानी खरीद कर पी रहे है लोगो का कहना है कि शिकायत के बाद भी कोई ध्यान नही दे रहा।

वार्ड 75 आवास विकास कॉलोनी योजना दो के लक्ष्मीबाई पार्क के आसपास दर्जनों घरों के नलों में कुछ दिनों से सीवर का दूषित व बदबूदार पानी आ रहा है। इस वजह से आवंटियों को मुशीबत का सामना करना पड़ा रहा है। लोगों का कहना है कि नवरात्र के सीजन में साफ सफाई के लिए भी पानी खरीदना पड़ रहा है। मामले में पार्षद कोहना अनिल यादव उर्फ घुंनु का कहना है कि नलों की पाइप काफी पुरानी होने की वजह से जर्जर हो गई है और सीवर के पास से गुजरी है जल्द पूरी पाइप लाइन बदनवाने का प्रस्ताव दिया जाएगा। वही जल निगम के जेई से संपर्क किया गया पर बात नहीं हो पाई।

उमापुर टोल के समीप जलनिगम की पाइप लाइन ध्वस्त

- पेयजल की आपूर्ति महिनों से हुई बाधित।
- जर जर पाइप लाइन की वजह से नही हो रही सप्लाई,जगह जगह होती है लीकेज,नही पहुँचता घरों में पानी,लोग परेशान

बारा। प्रयागराज बारा स्थित जलनिगम की टंकी में पांडर के कोटवारन का पूरा से पेयजल की आपूर्ति होती है। विगत करीब 30 वर्ष पूर्व बिछाई गई पाइप लाइन जर्जर होने कारण आए दिन ध्वस्त होती रहती है। जिसके संबंध में कई बार विभाग को सूचित किया जाता रहा है। गुरुवार को विभाग द्वारा टोल के पास होटल पर पाइप लाइन दुरुस्त कराया गया, किंतु रात में ही टोल के समीप पुनः पाइप लाइन लीक हो गई। जिससे बारा में पेयजल को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। उक्त स्थान आरसीसी होने के कारण पाइप मरम्तीकरण शुरू नहीं हो सका है। बारा खास के आशीष केसरी, सुमंत भार्गव, सलीम, पप्पू, मोहित आदि ने बताया कि हमेशा टोल से लेकर बंगला बांध के बीच में ही लीकेज हुआ करता है। टोल से बारा तक नवीन पाइप लाइन बिछाने पर समस्या का स्थाई हल निकल सकता है। पेयजल की भीषण समस्या को देखते हुए ग्रामीणों ने विभाग से जल्द से जल्द मरम्मतीकरण कर सप्लाई शुरू करने की मांग की है।

मरीजों को पोषण पोटली एवं फाइलेरिया के रोगियों को एमडीटी किट का वितरण

- राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मरीजों को वितरित किया गया किट

अखंड भारत संदेश

मरीजों को किट वितरित करते हुए

जसरा। राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मरीजों को पोषण पोटली एवं फाइलेरिया के रोगियों को एमडीटी किट का वितरण उप जिलाधिकारी बारा विनय तिवारी ने विकास खंड जसरा के सभागार में मरीजों को बांटा।

उप जिलाधिकारी बारा श्री तिवारी ने बताया कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ब्लाक प्रमुख जसरा अजीत सिंह पप्पू छतहरा ने कहा कि इसके लिए गांव गांव में एक जागरूकता अभियान चलाकर मरीजों का पहचान कराया जाय। जिससे एक भी क्षयरोगी शेष न बचें। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी जसरा अनीश अहमद ने सभी रोगियों को सतर्कता बरतने की सलाह दी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा की अधीक्षिका डा०अंकिता पांडेय ने कहा कि क्षयरोग से अब घबराने की जरूरत नहीं है। सतर्कता ही इसका सबसे बड़ा उपाय है। साथ ही उन्होंने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस मौके पर एक एक मरीजों को डा०सुरेश प्रसाद व एसटीजे उदयराज सिंह ने गोद लिया। इस अवसर पर डा० सुरेश प्रसाद, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी सीमा सिंह, बीपीएम पंकज मिश्रा, हरीराम त्रिपाठी, शोभनाथ शुक्ला, उदयराज सिंह,नीरज सिंह सहित दर्जनों मरीज मौजूद रहे।

करछना में आयोजित रामायतन महोत्सव में दिखीं सनातन संस्कृति की झलक

- प्रसिद्ध गायक संगीतकार हास्य व्यंग्य के कवियों एवं कविताओं से उकेरी श्री राम की महिमा

अखंड भारत संदेश

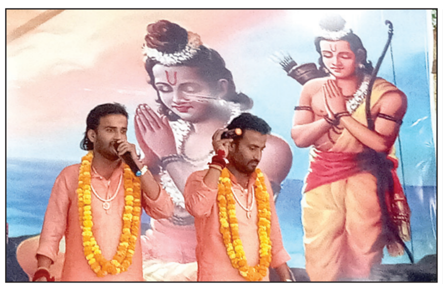

करछना। जमुनापार क्षेत्र तहसील करछना अंतर्गत शुक्रवार को अनघमंडपम में आयोजित एक दिवसीय रामायतन महोत्सव कार्यक्रम में क्षेत्रीय एवं अन्य जनपदों से पधारे सनातनियों श्री राम एवं हनुमान जी की धार्मिक कथाओं एवं आस्था को लेकर रामायण ग्रंथों की प्रासंगिकत मार्मिक चित्रण और कहानियों पर आधारित प्रस्तुति का विशेष तौर के माध्यम से उपस्थित लोगों को अपने भजन,गीतों कविताओं की गायकी से लोगों को राममय बना दिया।

उपस्थित बड़ी संख्या में लोगों ने राममतन महोत्सव में की अलख जगाने वाले समाज सेवी एवं नगर वासियों का अभिनंदन किया कार्यक्रम में मिश्रा बंधु के भजन प्रस्तुति से कार्यक्रम की शुरूआत हुई, क्षेत्र की प्रसिद्ध गायक अभिनेत्री मोहिनी श्रीवास्तव ने श्री राम की महिमा प्रस्तुति पर लोगों आयोजन मंडल की ओर से सम्मानित किया गया। साथ ही मंच पर उपस्थित सभी कवियों गायकों कलाकारों को सम्मानित करते हुए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में, सुबोध सिंह, रिंकू सिंह, राजू सिंह, विपिन सिंह, लालजी सिंह समाजसेवी, राजेश शुक्ला, विनोद प्रजापति, अशोक बेशरम हास्य कवि, संतोष सामर्थ, जितेंद्र जलज, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय नैनी बाजार में हुआ वार्षिकोत्सव एवं शारदा संगोष्ठी का आयोजन

नैनी। नैनी बाजार स्थित प्राथमिक विद्यालय नैनी बाजार मे शुक्रवार को वार्षिकोत्सव, शारदा संगोष्ठी एवं प्रवेशोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बायो सीएनजी गैस प्लांट के प्रोजेक्ट मैनेजर हिमांशु श्रीवास्तव, पार्षद राकेश जायसवाल एवं उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ की अध्यक्ष अनुरागिनी सिंह ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। प्रधानाचार्य अंजू सिंह ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। सर्वप्रथम बच्चों ने मां सरस्वती की वंदना नृत्य नाटिका के माध्यम से की तत्पश्चात कक्षा 1 से 5 तक के छोटे-छोटे बच्चों ने भारतीय संस्कृति को परिलक्षित करते हुए सुंदर-सुंदर गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के द्वारा कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। अच्छे अंक पाने वाले बच्चों के माता-पिता को भी बच्चों के साथ ही सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका पूनम मणि ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बायो सीएनजी गैस प्लांट के प्रोजेक्ट मैनेजर हिमांशु श्रीवास्तव, पार्षद राकेश जायसवाल, अजय कुमार, उ. प्र. महिला शिक्षक संघ अध्यक्ष अनुरागिनी सिंह, प्रधानाचार्य अंजू सिंह, शिक्षक गण विमल जायसवाल, पूनम मणि, तजीन फातिमा, नीरजा, सरिता सिन्हा, सुषमा कनौजिया, अर्चना, मीडिया प्रभारी आर के शुक्ला, कृष्णा केसरवानी आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत मलाक मोहिद्दीनपुर विकास खण्ड मूरतगंज जनपद कौशाम्बी।

(अल्पकालिक निविदा सूचना)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मलाक मोहिद्दीनपुर विकास खण्ड मूरतगंज जनपद कौशाम्बी में 15 वा केंद्रीय वित्त पंचम राज्य वित्त आयोग, मनरेगा योजना, कायाकल्प योजना, राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन के अन्तर्गत शौचालय निर्माण व मरम्मत, नाली निर्माण, नाली मरम्मत, खडन्जा निर्माण, हैण्डपम्प मरम्मत,हैण्डपम्प रिबोर, इण्टरलाकिंग, स्कूल निर्माण व मरम्मत,पंचायत भवन मरम्मत,आंगनबाडी केन्द्र निर्माण व मरम्मत,सोलर लाइट, सोलर पम्प स्ट्रीट लाइट इंटरलॉकिंग स्कूल बाउंड्री एमडीएम सेट कैटल शेड व अन्य कार्यो में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो द्वारा दिनांक 05/04/2025 से 12/04/2025 तक सील बन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 15/04/2025 को 02 बजे दिन में उपस्थित फर्मो के समक्ष खोली जायेगी। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा सामग्री की मात्रा ग्राम पंचायत में स्वीकृत प्राक्कलन के अनुसार पृथक पृथक होगा। निविदा ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष 2025-26 में कराये जाने वाले सभी कार्यो हेतु प्रभावी होगा।

श्यामा देवी	मैकूलाल
ग्राम प्रधान मलाक मोहिद्दीनपुर	पंचायत सचिव
विकास खण्ड मूरतगंज	विकास खण्ड मूरतगंज
जनपद कौशाम्बी	जनपद कौशाम्बी

कोरांव के अरुण कुमार मर्डर मामले में गिरफ्तारी को लेकर जेडीयू के लोगों ने एसीपी मेजा को सौंपा ज्ञापन

कहा – मामले में संलिप्त सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर शीघ्र ही जेल नहीं भेजा गया तो लखनऊ विधानसभा का करेंगे घेराव

अखंड भारत संदेश

मेजा। कोरांव के बैठकवा निवासी अरुण कुमार की हत्या मामले में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर शुक्रवार को जनता दल यूनाइटेड की महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने डीजीपी लखनऊ के नाम संदर्भित ज्ञापन पत्र एसीपी मेजा रवि कुमार गुप्ता को सौंपा। इस दौरान पदाधिकारियों ने कोरांव थाने में प्रचलित विवेचना भी खीरी थाना में स्थानांतरित किए जाने की मांग किया।

उल्लेखनीय है कि गत दिनों कोरांव थाना क्षेत्र के बैठकवा पटेहरी निवासी अरुण कुमार पुत्र लालचंद्र नामक व्यक्ति की हत्या हो गई थी जिसमें कोरांव पुलिस द्वारा मामले में संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी न किए जाने से नाराज पीड़ित परिवार जनता दल यूनाइटेड की महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल की अगुवाई में पदाधिकारियों ने एसीपी मेजा रवि कुमार गुप्ता का घेराव किया और प्रकरण के बाबत अपनी बातों को साझा करते हुए मुकदमा अपराध संख्या 42/2025 में वांछित अभियुक्तों को एक सप्ताह के अंदर गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग किया साथ ही साथ कोरांव थाने में प्रचलित विवेचना को भी खीरी थाने में ट्रांसफर करने की बात कही।

इतना ही पदाधिकारियों ने यह भी चेतावनी दिया है कि यदि आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं हुई और उन्हें जेल नहीं भेजा गया तो लखनऊ विधानसभा का घेराव करेंगे। गौरतलब है कि जनता दल यूनाइटेड पदाधिकारियों का ज्ञापन स्वीकार करते हुए एसीपी मेजा ने कहा कि मामले की विवेचना गंभीरता पूर्वक प्रचलित है मामले में कई अन्य लोगों की संलिप्तता प्रकाश में आ रही है जिसकी साक्ष्यों के आधार पर गहन जांच पड़ताल की जा रही है शीघ्र गिरफ्तारी की प्रक्रिया की जाएगी। विवेचना ट्रांसफर को लेकर एसीपी रवि कुमार ने कहा कि पदाधिकारियों और पीड़ित की मांग पर मामले की विवेचना थाना खीरी को ट्रांसफर कर दी जाएगी।

बोर्ड कर्मियों को सम्मानित करती अपर सचिव विभा मिश्रा

अपर सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद ने अफसरों व कर्मचारियों को किया सम्मानित

प्रयागराज। यूपी बोर्ड के प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय की अपर सचिव विभा मिश्रा द्वारा बोर्ड के हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाओं की ऑनलाइन मॉनिटरिंग सेल एवं टेलीफोन हेल्पलाइन में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर गुरुवार को सम्मानित किया।

अपर सचिव विभा मिश्रा ने बताया कि बोर्ड परीक्षा सकुशल संपन्न कराने में सहयोगी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरा सहयोग दिया है, जिससे परीक्षा सकुशल संपन्न हो गयी। सम्मानित होने वालों में प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय की सहायक सचिव अंशिका और रेखा अग्रवाल, उप सचिव पूनम मिश्रा, अतुल कुमार और रवीन्द्र राम, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सूर्य प्रकाश मिश्र सहित अन्य लोग थे।

नैनी में वक्फ बिल और जुमे की नमाज पर हाई अलर्ट, तैनात रही पुलिस

नैनी। नैनी शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट रही। नैनी स्टेशन रोड पर शुक्रवार को जुम्मा की नमाज में ईदगाह जमा मस्जिद में नैनी कस्बा चौकी इंचार्ज विपिन कुमार वर्मा अपने हमराहियों के साथ में सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रत्येक स्थानों पर निगरानी प्रशासन रख रही थी। संवेदनशील माने जाने वाले इलाकों में पुलिस ज्यादा सक्रिय रही। जुमे की नमाज पर शहर में निगरानी की जा रही है। सोशल मीडिया पर पूरी निगरानी रही।

मां दुर्गा की सातवीं शक्ति का नाम है कालरात्रि : अनुराग पांडेय

अखंड भारत संदेश

मेजा। माँ दुर्गा की सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती हैं। दुर्गा पूजा के सातवें दिन माँ कालरात्रि की उपासना का विधान है। इस दिन साधक का मन सहस्त्रार चक्र में स्थित रहता है। इसके लिए ब्रह्मांड की समस्त सिद्धियों का द्वार खुलने लगता है। देवी कालात्रि को व्यापक रूप से माता देवी- काली, महाकाली, भद्रकाली, भैरवी, मृत्यिू, रुद्रानी, चामुंडा, चंडी और दुर्गा के कई विनाशकारी रूपों में से एक माना जाता है। रौद्री और धुमोरना देवी कालात्री के अन्य कम प्रसिद्ध नामों में हैं। देवी के इस रूप में सभी राक्षस,भूत, प्रेत, पिसाच और नकारात्मक ऊजाओं का नाश होता है, जो उनके आगमन से पलायन करते हैं। इनके शरीर का रंग घने अंधकार की

तरह एकदम काला है। सिर के बाल बिखरे हुए हैं। गले में विद्युत की तरह चमकने वाली माला है। इनके तीन नेत्र हैं। ये तीनों नेत्र ब्रह्मांड के सदृश गोल हैं। इनसे विद्युत के समान चमकीली किरणें निःसृत होती रहती हैं। माँ की नासिका के श्वास-प्रश्वास से अग्नि की भयंकर ज्वालाएँ निकलती रहती हैं। इनका वाहन गर्दभ (गदहा) है। ये ऊपर उठे हुए दाहिने हाथ की वरम है।

एनजीबीडीयू में पाँच दिवसीय प्रशिक्षण एवं जांच शिविर का शुभारम्भ

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, प्रयागराज में पाँच दिवसीय रोवर्स-रेंजर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का कुलपति प्रो. रोहित रमेश ने झण्डारोहण करके शुभारम्भ किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्काउट गाइड प्रार्थना, झण्डा गीत एवं स्काउट गाइड के नियमों की जानकारी प्रदान की गयी। यह प्रशिक्षण गाइड कैप्टन ज्योति मिश्रा के मार्गदर्शन में प्रारम्भ हुआ। इस अवसर पर विश्विद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. एस.सी. तिवारी ने स्काउट गाइड के महत्त्व को बताते हुए रोवर्स रेंजर्स को लक्ष्य वाक्य 'हमेशा तैयार रहो' से अवगत कराया।

शैक्षणिक अधिष्ठाता डा. राजेश कुमार तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रमों द्वारा विद्यार्थी विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार होते हैं। डॉ. छाया मालवीय तथा डॉ. सव्यसाची ने अपने उद्बोधन में स्काउट के महत्त्व पर चर्चा करते हुए रोवर्स-रेंजर्स का उत्साहवर्द्धन किया। मंच-संचालन डॉ. हिमांशु शेखर सिंह ने किया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. साधना त्रिपाठी ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विष्णु प्रसाद शुक्ल ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. ममता मिश्रा, डॉ. अभिजात ओझा, डॉ. मंजू शुक्ला, डॉ. वीरेन्द्र मणि त्रिपाठी, डॉ. संतेश्वर मिश्र, डॉ. संजय पाण्डेय, प्रो. बृजेन्द्र मिश्र, डॉ. अरविंद शुक्ला, डॉ. मोहम्मद वाकिफ, डॉ. भूपनारायण, डॉ. आलोक विश्वकर्मा, डॉ. किरन गुप्ता, डॉ. बालेन्द्र शुक्ला, डॉ. राहुल कृष्ण तथा डॉ. पुष्पांजलि पाल सहित अनेक विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

आगामी स्नातक निर्वाचन में सदस्यता व मतदाता बनाने को हुई बैठक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ प्रयागराज जिला कार्यकारिणी की बैठक जिलाध्यक्ष अनुज कुमार पाण्डेय के अध्यक्षता हुयी बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार उपस्थित थे आज की बैठक में संगठन के राज्य परिषद सदस्य और क्षेत्रीय अध्यक्ष मंत्रीयो का मनोनयन किया गया। इसके साथ आगामी सत्र में संगठन की सदस्यता तथा स्नातक निर्वाचन में मतदाता बनने पर विस्तृत चर्चा हुई बैठक को संबोधित करते हुए माननीय सुरेश कुमार त्रिपाठी ने कहा आप लोगों के ऊपर जनपद के शिक्षकों के प्रकरणों का निस्तारण और संगठन के संचालन की जिम्मेदारी है आगामी 14 अप्रैल को राज्य परिषद की बैठक में आगे के संघर्ष

कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी संगठित शक्ति से ही अपने उपलब्धियों की की रक्षा संभव है ।जिलाध्यक्ष अनुज कुमार पाण्डेय ने कहा हम सभी को स्नातक निर्वाचन में अपना मतदाता फॉर्म भरने के साथ-साथ विद्यालय के साथियों तथा परिवार के सदस्यों तथा आस-पड़ोस के लोगों को मतदाता बनाने हेतु जागरूक करना है अब जब स्नातक चुनाव लड़ने का निर्णय ले लिया गया है तो बड़ी संख्या में मतदाता बनाकर विजय सुनिश्चित करने हेतु प्रयत्न करना होगा पूर्व प्रदेशीय मंत्री कुंज बिहारी मिश्रा जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष एबहादुर रहमान, संयुक्त मंत्री श्वेता दुबे, चंद्रमणि शुक्ला, सदस्य कार्यकारी डॉ अभिषेक मिश्रा आदि लोगों ने जिला कार्यकारी की बैठक मे अपने विचार व्यक्त किए सभी वक्ताओं ने संगठन की सदस्यता और स्नातक निर्वाचन में मतदाता बनने पर प्रतिबद्धता व्यक्त की बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष राम प्रकाश पाण्डेय, मण्डलीय मंत्री प्रभाकर द्विवेदी, सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी डॉक्टर सुयोग पाण्डेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा,सदस्य राज्य परिषद संजीव तिवारी, अजीत कुमार ,राजेश कुमार शुक्ल आदि लोगों उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से प्लंबर मजदूर की दर्दनाक मौत

उतरांव। उतरांव गांव में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। जहां अज्ञात वाहन की टक्कर से प्लंबर मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। प्लंबर मजदूर अपनी बहन रानी के घर सिकंदरा जुगनू डीह ईद के त्यौहार के पहले बीते 30 मार्च को ईदी त्योहारी पहुंचाने के लिए जा रहा था। जहां फूलपुर के मुबारकपुर में देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर हो गई।जहां वह रात भर वही सड़क के किनारे गड्ढे में पड़ा रहा। सुबह किसान जब गेहूं की फसल काटने के लिए जा रहे तो देखा तुरंत

112 नंबर को सूचना दी। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां आज शाम को इलाज के दौरान मोहम्मद सगीर उर्फ बबलू उम्र 45 वर्ष की दर्दनाक मौत हो गई। उतराव गांव निवासी मोहम्मद सगीर उर्फ बबलू जो मुंबई में रहकर प्लंबर का काम करता था। और ईद का त्यौहार मनाने के लिए वह इन दिनों घर पर आया हुआ था।वह चार भाइयों में दूसरे नंबर पर था। दो भाई की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी। अब सबसे छोटा भाई सफीक है।मृतक की मां 20 वर्ष पूर्व गंगा नदी में कूद कर अपनी जान गवा दी थी। मृतक के पांच बेटे अमन कामिल मुन्ना नवाब साहिल व एक बेटी रोशनी है। प्लंबर मजदूर की मौत से पत्नी रुबीना समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

विदेश से आ रही गंगाजल की मांग, जर्मनी भेजी गई पहली खेप

प्रयागराज। सनातन संस्कृति और अध्यात्म से साक्षात्कार कराने वाला महामेला महाकुंभ का आयोजन भले फरवरी में समाप्त हो चुका है, मगर संगम में बहती आस्था की धारा और भी प्रवाहमान है। देश में ही नहीं, विदेश में भी पुण्य प्रसाद के रूप में गंगा के पावन व अमृत जल की मांग बढ़ती जा रही है। अमेरिका, जापान व आस्ट्रेलिया सहित कई देशों से महाकुंभ में आए श्रद्धालु अपने साथ गंगा जल ले गए। विदेश से जो श्रद्धालु नहीं आ सके, वे त्रिवेणी के पवित्र जल की मांग कर रहे हैं। इसी क्रम में गंगाजल की पहली खेप प्रयागराज से जर्मनी भेजी गई है। श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि के माध्यम से यह जल विदेश भेजा गया है। महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पुण्य की डुबकी लगाई। प्रदेश सरकार ने महाकुंभ समापन के बाद प्रदेश के सभी जिलों में संगम के जल को महाप्रसाद रूप में पहुंचाने का निर्णय लिया था। सभी 75 जिलों में गंगा जल पहुंचाया गया। अब देश के बाहर भी संगम से गंगा जल भेजने की मांग आई है। राष्ट्रीय आजीविका मिशन ग्रामीण के उपायुक्त राजीव कुमार सिंह ने बताया कि नारी शक्ति महिला प्रेरणा संकुल स्तरीय समिति की तरफ से गंगा जल की आपूर्ति की जा रही है। कांच की 1000 बोतलों में गंगा जल यहां से जर्मनी भेजा गया है। यह 250 मिली लीटर की बोतल में था। समिति की ओर से नागपुर के शिव शंभू ग्रुप सोसायटी को भी 50 हजार बोतल गंगा जल भेजा गया है। आधा लीटर की बोतल में यह गंगा जल भेजा गया है। कुछ दिन पहले असम से निजी टैंकर लेकर परम शिवम शिव मंदिर योगाश्रम, गुवाहाटी के संत राजा रामदास भी त्रिवेणी संगम पहुंचे थे।

पंजीकृत श्रमिकों की समस्या को लेकर हिन्द मजदूर सभा ने निरंतर किया प्रयास

यूपी बीओसीडब्ल्यू बोर्ड ने अखंड भारत संदेश व श्रमिक प्रतिनिधियों की शिकायतों पर लिया संज्ञान।

कोरांव। उत्तर प्रदेश भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा करीब साल भर से उत्पन्न समस्याओं के मद्देनजर श्रमिक प्रतिनिधियों की निरंतर शिकायत तथा अखंड भारत संदेश आदि समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों को संज्ञान लेते हुए काफी समय से परेशान श्रमिकों के नवीनीकरण, पंजीयन एवं मोबाइल तथा आधार कार्डों में लिंक किये जाने की तैयारी कर ली है, जिससे हद तक कुछ श्रमिकों की समस्याओं का समाधान हो सकेगा।

अवगत हो कि उप-श्रमायुक्त उत्तर प्रदेश प्रयागराज ने भी एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर 1 अप्रैल 2025 से 30 अप्रैल 2015 तक नवीन पंजीकरण तथा आच्छादन कराए जाने के उद्देश्य से मंडल स्तर पर वृहद अभियान बोर्ड के पोर्टल में आई तकनीकि त्रुटियों के कारण हुए विलंब व कठिनाइयों के दृष्टिगत आयोजित किया जा रहा है, जो विकास खंडों एवं तहसील क्षेत्रों में सुविधा उपलब्ध कराई जा सके और बिचौलियों से उनका बचाव हो सके।

अभियान अवधि में मंडल के सभी जिलों विकास खंडों के लेबर अड्डो, ईंट भट्ठों, क्रेसर प्लांटों तथा सीएससी के सहयोग से शिविर लगाएं जा रहे हैं जो जनपद प्रयागराज के शिविरों का विवरण इस प्रकार है- तहसील बारा के ब्लॉक जसरा में 1, 8,15 एवं 23 अप्रैल को एवं कोरांव तहसील के ब्लॉक कोरांव में 21,23 एवं 25 अप्रैल को, करछना तहसील के चाका ब्लॉक में 4, 8, 15 अप्रैल, करछना तहसील के करछना ब्लॉक में 7,11 एवं 25 अप्रैल तथा कौंधियारा ब्लॉक में 9, 19 एवं 28 अप्रैल, हड़िया तहसील के ब्लॉक प्रतापपुर में 1, 8, 15 अप्रैल, सैदाबाद ब्लॉक में 11,19 व 28 अप्रैल, धनुपुर ब्लॉक में 13,17, व 29 अप्रैल, हड़िया ब्लॉक

16, 21, 30 अप्रैल, बहरिया ब्लॉक में 3, 8, एवं 15 अप्रैल, फूलपुर में 5,17, एवं 23 अप्रैल, बहादुरपुर ब्लॉक 11,19 एवं 26 अप्रैल, सहसों ब्लॉक में 21, 28 एवं 30 अप्रैल, सोरांव तहसील के होलागढ़ में 5, 17, एवं 23 अप्रैल , मऊआइमा में 11, 19 एवं 26 अप्रैल, सोरांव में 21, 26 एवं 30 अप्रैल और तहसील मेजा के उरुवा ब्लॉक 3, 8 एवं 15 अप्रैल, मेजा ब्लॉक में 5, 17, एवं 23 अप्रैल, मांडा ब्लॉक में 11 19 एव 26 अप्रैल, तहसील सदर के विकासखंड कौंधियार में 3, 8, एव 15 अप्रैल, श्रीगिवेरपुर ब्लॉक में 5, 17, एव 23 अप्रैल और भगदलपुर ब्लॉक में 11, 19 एवं 26 अप्रैल , इसी तरह कचहरी लेबर अड्डा पर 28, 30 अप्रैल , शिवकुटी लेबर अड्डा पर 28, 30 अप्रैल, अल्लापुर लेबर अड्डा 29, 30 अप्रैल, रामबाग लेबर अड्डा पर 28, 30 अप्रैल, करेली लेबर अड्डा पर 28, 30 अप्रैल, सूबेदारगंज लेबर अड्डा पर 28, 30 अप्रैल 2025 को कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

उक्त अभियान अवधि के दौरान बाल श्रमिक नया श्रमिक पंजीयन रजिस्ट्रेशन, नवीनीकरण आदि का कार्य किया जाएगा। संबंधित श्रमिक अपना आधार कार्ड बैंक पासबुक पासपोर्ट साइज फोटो आदि आवश्यक अभिलेख लेकर शिविरों के माध्यम से कराया जाएगा। यह कार्य जनहित बोर्ड द्वारा अभियान चलाया गया है।

उक्त जानकारी डिप्टी लेबर कमिश्नर प्रयागराज, राजेश मिश्रा ने 1 अप्रैल 2025 द्वारा जारी प्रकाशनार्थ सूचना दी गयी है।

बता दें कि उक्त कार्य हेतु हिन्द मजदूर सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भोला नाथ तिवारी एवं जिलाउपाध्यक्ष प्रयागराज ए ए सिद्दीकी उर्फ शहजादे मुख्यमंत्री से लेकर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ और श्रमायुक्त उत्तरप्रदेश कानपुर तक कई बार लिखित, मौखिक एवं समाचार पत्रों के जरिये, समस्या समाधान हेतु ध्यान आकृष्ट कराया था। श्री त्रिपाठी के अनुसार श्रमिकों की योजनाओं में आ रही समस्याओं को लेकर तथा शिकायतों का निष्पक्ष निस्तारण न किए जाने पर प्रमुख सचिव श्रम लखनऊ को पत्र द्वारा शिकायत की गई और मिलकर समस्या से अवगत कराए जाने की बात की है।

जिलाधिकारी के औचक निरीक्षण के दौरान विकास भवन में मचा हड़कम्प

- विकास भवन के अधिकारियों व कर्मचारियों के बीच मचा रहा अफरा तफरी का माहौल,
- निरीक्षण में 14 कर्मचारी मिले अनुपस्थित, मांगा गया स्पष्टीकरण

अखंड भारत संदेश

विकास भवन के कार्यालयों का निरीक्षण करते जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी द्वारा विकास भवन के विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा एवं पीडी डीआरडीए दयाराम यादव साथ में उपस्थित रहे। डीएम के सुबह-सुबह हुये इस औचक निरीक्षण से विकास भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हड़कम्प मच गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपायुक्त श्रम रोजगार कार्यालय के उपस्थिति पंजिका के अवलोकन में प्रधान सहायक अखिलानन्द सिंह व बीटीए हरिकेश कुमार मौर्य अनुपस्थित रहे। सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई कार्यालय के निरीक्षण में अमीन मनोरमा देवी व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी विनय कुमार सिंह अनुपस्थित मिले। जिला युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय में कनिष्ठ सहायक प्रतिमा रावत एवं आशुतोष उपाध्याय अनुपस्थित पाये गये। एआर कोआपरेटिव कार्यालय के निरीक्षण में वरिष्ठ सहायक मुलायम सिंह अनुपस्थित मिले, मत्स्य विभाग कार्यालय के निरीक्षण में मत्स्य विकास अधिकारी नीलम भारतीय अनुपस्थित मिली, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अनिल कुमार अनुपस्थित पाये गये। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के निरीक्षण में कनिष्ठ सहायक आनन्द सिंह व प्रणव सिंह, डीसी मो0 वसीम तथा डीपी पवन कुमार पाल अनुपस्थित रहे। अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय के निरीक्षण में अपर सांख्यिकीय अधिकारी राकेश कुमार द्विवेदी के अनुपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने अनुपस्थित कर्मचारियों पर सख्त नाराजगी जताई और कहा कि कार्यालय में कर्मचारियों की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होने सम्बन्धित कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया कि अनुपस्थित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाये, यदि उनका स्पष्टीकरण सन्तोषजनक नही होता है तो उनके विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। समाज कल्याण विभाग कार्यालय के उपस्थिति पंजिका के अवलोकन में पाया गया जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा 03 माह से उपस्थिति पंजिका को अवलोकित नहीं किया गया है जिस पर उन्हें कारण बताओ नोटिस निर्गत करने के निर्देश दिये गये। पिछड़ा वर्ग कल्याण कार्यालय के निरीक्षण में उपस्थिति पंजिका उपलब्ध नही करायी जा सकी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी द्वारा बताया गया कि वरिष्ठ सहायक शिवपूजन मिश्र कार्यालय में उपस्थित नही है, उन्हीं के पास उपस्थिति पंजिका अनुरक्षित है जिस पर जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वरिष्ठ सहायक शिवपूजन मिश्र को प्रतिकूल प्रविष्टि निर्गत की जाये। इसी प्रकार अल्पसंख्यक कार्यालय, डीपीआरओ कार्यालय व दिव्यांगजन सशक्तीकरण कार्यालय की उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया गया। उप दुग्धशाला अधिकारी कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कक्ष काफी गन्दा मिला जिसमें कबाड़ आदि को स्टोर पाया गया, जिस पर उप दुग्धशाला अधिकारी को निर्देशित किया गया कि कार्यालय कक्ष की साफ-सफाई सुनिश्चित करायें। निरीक्षण के दौरान कतिपय विभागों की उपस्थिति पंजिका में कर्मचारियों के सम्मुख कालम में उपस्थिति एवं अनुपस्थिति नही दशार्यी गयी थी और न ही कतिपय विभागों के कर्मचारी जो फील्ड में गये थे उनके बारे में भी कोई सूचना अंकित नही थी जिसके सम्बन्ध में सम्बन्धित कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि यदि किसी भी कर्मचारी द्वारा छुट्टी ली जाती है तो उसका एप्लीकेशन स्वीकृत करते हुये रजिस्टर में अंकित करें और यदि कोई भी कर्मचारी क्षेत्र में गया है तो उसको को भी अंकित किया जाये। यदि कोई भी कर्मचारी ससमय कार्यालय में नही पहुँचता है तो उसको अनुपस्थित करते हुये आवश्यक कार्यवाही करें। कार्यालय के कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक सप्ताह उपस्थिति पंजिका को अवलोकित किया जाये। इसके अतिरिक्त भूतल, प्रथम व द्वितीय तल पर स्थापित बाथरूम साफ-सुथरे नही पाये गये जिसके सन्दर्भ में जिला विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी तलों के जिला स्तरीय अधिकारियों को नामित कर बाथरूम की साफ-सफाई सुनिश्चित करायी जाये। जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि समय-समय पर कार्यालयों का निरीक्षण करें, कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करायी जाये, यदि भविष्य में कोई भी कर्मचारी बार-बार अनुपस्थित पाया जाये या कार्यालय में समय से नही पहुँचता है तो उसके विरूद्ध विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। निरीक्षण के दौरान कुछ कर्मचारी कार्यालय देर से पहुँचे जिनसे मौके पर जिलाधिकारी ने पूछताछ की और भविष्य के लिये सचेत किया कि कार्यालय समय से आये नही तो कार्रवाई की जायेगी। डीएम के औचक निरीक्षण से विकास भवन के अधिकारियों व कर्मचारियों के बीच अफरा तफरी का माहौल देखा गया।

आग से गृहस्थी का सामान जलकर खाक

पट्टी। शुक्रवार की भोर घर में अचानक आग लगने से गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। जबतक किसी को कुछ समझ आता आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। उनके पहुंचने तक सबकुछ राख में तब्दील हो चुका था।

राम जियावन यादव पुत्र राजाराम के घर शुक्रवार की भोर अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से घर में रखा लगभग 50 बोरी सरसों, कीमती कपड़े, बर्तन और अन्य गृहस्थी का सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन वह असफल रहे। फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, लेकिन टीम के पहुँचने से पहले ही सब कुछ जल चुका था।राम जियावन का परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाए और रहने व खाने की व्यवस्था की जाए।

05 अप्रैल को होगा सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में तहसील सदर में 05 अप्रैल 2025 को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार तहसील पट्टी में अपर जिलाधिकारी व तहसील कुण्डा में मुख्य राजस्व अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जायेगा। अन्य तहसीलों में सम्बन्धित उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जायेगा।

ट्रैक्टर ट्राली सहित पलटा यातायात हुआ बाधित

पट्टी। सामने से आ रहे ई-रिक्शा को बचाने में ट्रैक्टर ट्राली सहित सड़क पर पलट गया। जिससे यातायात प्रभावित रहा। फिलहाल घटना में ई-रिक्शा सवार यात्री सुरक्षित है।

पट्टी कोतवाली क्षेत्र के सपहा छात निवासी गोरे लाल गौतम ट्रैक्टर ट्राली लेकर दयालगंज बाजार से आमाँपुर बाजार जा रहा था। बाजार के पहले ढाढर गांव के मोड़ के सामने आ रहे ई रिक्शा को देख कर चलाक सीट पर बैठा गोरे लाल का ट्रैक्टर से संतुलन बिगड़ गया, और ट्रैक्टर बीचो-बीच सड़क पर पलट गया। सड़क के बीचों बीच ट्रैक्टर ट्राली पलटने से काफी देर तक सड़क पर वाहनों की लंबी-लंबी कतार लगी रही। बाजार वासियों व राहगीरों की मदद से ट्रैक्टर ट्रॉली को सड़क से हटाकर यातायात बहाल किया गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ हैं। ट्रैक्टर चालक को हल्की-फुल्की चोटे आई है।

हार्ट अटैक से भाजपा पिछड़ा मोर्चा पट्टी के मंडल अध्यक्ष की मौत

पट्टी। शुक्रवार की सुबह भाजपा पिछड़ा मोर्चा पट्टी के मंडल अध्यक्ष केदारनाथ चैरसिया (54) की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। पट्टी क्षेत्र के बेला रामपुर निवासी भाजपा पिछड़ा मोर्चा पट्टी के मंडल अध्यक्ष व चैरसिया समाज प्रतापगढ़ के जिला महामंत्री केदारनाथ चौरसिया सुबह अपने घर से अपने पान के भीटे पर कार्य कर रहे थे। इस दौरान उनके सीने में दर्द हुआ और वहीं पर मौके पर नीचे गिर गए। आसपास के बच्चों ने देखा तो उन्हें उठाने की कई बार प्रयास किया लेकिन वह उठ नहीं सके उसके बाद बच्चों ने परिजनों को सूचना दी। परिजन उन्हें पट्टी सीएचसी लेकर आए जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया। मौत की ही खबर सुनते ही चौरसिया समाज प्रतापगढ़ जिला अध्यक्ष शिवकुमार चैरसिया, पट्टी ब्लॉक प्रमुख राकेश कुमार सिंह उर्फ पप्पू ,सभासद रामचरित्र वर्मा, रमेश सोनी, गौरव श्रीवास्तव, सतीश सिंह, राना सिंह, शिवकुमार वर्मा, रमापति चौरसिया, मनोज जायसवाल, सोनू जायसवाल, आदि लोगों ने घर पर पहुंचकर पार्थिव शरीर को अंतिम श्रद्धांजलि दी।

मृतका के शव की हुई पहचान लालगंज में नर्सिंग होम हुआ सीज

अखंड भारत संदेश

- एसपी के निर्देश पर महिला की मौत की छानबीन में जुटी अंतू पुलिस

लालगंज। नगर पंचायत के रोडवेज बस डिपो के पीछे गुरूवार की देर शाम एक बत्तीस वर्षीय महिला का शव बरामद हुआ। काफी देर तक पुलिस ने शव की पहचान कराने का प्रयास किया लेकिन सफलता नही मिल सकी। कोतवाली क्षेत्र में महिला का शव बरामद होने की जानकारी होने पर गुरूवार की देर रात जिले के एसपी डा0 अनिल कुमार ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी ने अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी संजय राय व लालगंज सीओ रामसूरत सोनकर को घटना के खुलासे को लेकर कार्रवाई के निर्देश दिये। वहीं पुलिस ने मृतका के शव को पीएम के लिए भेज दिया। रात दस बजे के करीब कोतवाली पुलिस को महिला के शव की पहचान मे सफलता मिल गयी। मृतका की पहचान अंतू थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव के महुआताल निवासी मकबूल अहमद की पत्नी शहनाज बानो उर्फ चांदनी के रूप में हुई। इसके बाद लालगंज पुलिस ने अंतू थाने की पुलिस से संपर्क साधा तो वहां पर मृतका के अपहरण का मुकदमा दर्ज कराए जाने की जानकारी हुई। अंतू एसओ के मुताबिक मृतका के ससुर मो. सिददीक ने गुरूवार को उसके अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि लालगंज इलाके का रहने वाला इरफान उसकी बहू शहनाज का अपहरण कर लिया। बताया जाता है कि मृतका का पति सउदी अरब में सिलाई का काम करता है। मृतका घर में अपनी पांच वर्षीय पुत्री मरियम के साथ रहती थी। पुलिस को आशंका है कि आरोप इरफान ने महिला की हत्या करके शव लालगंज इलाके में गेहूं के एक खेत में फेंक दिया था। अंतू पुलिस मामले में छानबीन करते हुए आरोपी की तलाश कर रही है। एसओ आनंदपाल सिंह ने बताया कि मृतका के अपहरण का मुकदमा दर्ज हुआ था। मामले की जांच करते आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। इधर लालगंज में शहनाज की मौत के बाद एक अल्ट्रासाउण्ड सेण्टर व संजीवनी नर्सिंग होम पर भी स्वास्थ्य विभाग ने छापा मारा। आरोप है कि उक्त नर्सिंग होम में मृतका का संदिग्ध परिस्थिति में उपचार भी कराया गया। जिसके बाद उसकी मौत हो गयी। डिप्टी सीएमओ डा0 राजेश कुमार ने बताया कि छापेमारी के दौरान मौके पर मिले चिकित्सक डा. हसनैन के खिलाफ बिना उचित डिग्री के अल्ट्रासाउण्ड करते पाया गया। उनके खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है। अल्ट्रासाउण्ड व नर्सिंग होम को सीज कर दिया गया है।

कार्मिकों की समस्याओं के समाधान हेतु 17 को मेगा कैम्प का होगा आयोजन

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने बताया है कि 17 अप्रैल 2025 (वृहस्पतिवार) को पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 2 बजे के मध्य विकास भवन सभागार में जनपद के सेवारत एवं सेवा निवृत्त कार्मिकों के सेवा से सम्बन्धित प्रकरणों यथा-वेतन, भत्ते, अवकाश, चिकित्सीय अवकाश, चिकित्सीय देयक, वेतन वृद्धि, प्रोन्नति, पेंशन एवं अन्य लम्बित देयकों के सम्बन्ध में जनपद के समसत अधिकारियों की उपस्थिति में एक मेगा कैम्प आयोजित किया जायेगा जिसमें समस्त अधिकारी मेगा कैम्प में पूर्व से अपने-अपने कार्यालयों में प्राप्त सम्बन्धित प्रकरणों की सूची एवं विवरणों के साथ प्रतिभाग करें। आयोजित मेगा कैम्प में जनपद में सेवारत्ध्सेवानिवृत्त कार्मिक अथवा उसके परिजन स्वतंत्र रूप से अपने प्रकरणों को उठा सकेगें। मेगा कैम्प की पूरी अवधि के दौरान जिलाधिकारी के साथ जनपद के वरिष्ठ अधिकारी यथा-मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य राजस्व अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वि0धा0), जिला विकास अधिकारी भी उपस्थित रहेगे।

न्यूज झरोखा

भगवान के प्रति ध्यान सदैव अभिमान मुक्त होना चाहिए : आचार्य संतोष

प्रतापगढ़। लक्ष्मणपुर क्षेत्र के चंदापुर गांव में हो रही श्रीमदभागवत कथा में शुक्रवार को कथाव्यास भागवतभूषण आचार्य संतोष जी महराज ने कहा कि भक्त को सदैव भगवान के प्रति श्रद्धा के भाव ही रखना चाहिए। उन्होनें कहा कि भगवान के प्रति अनुराग सदैव अभिमान रहित होना चाहिए। आचार्य संतोष जी महराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने धर्म की रक्षा के लिए सत्य के अस्त्र को न्यायोचित सदुपयोग का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होने कहा कि शास्त्र और शस्त्र सदैव न्याय तथा लोक कल्याण की रक्षा का कवच हैं। आचार्य संतोष जी ने कहा कि श्रीमदभागवतगीता के उपदेश हमारे जीवन के सुमंगल को दीर्घजीवी बनाया करते हैं। उन्होनें कहा कि सुपथ और सुचरित्रता ही कथा के मर्म को समझने का सुअवसर उपलब्ध कराया करती है। वहीं भजन व आरती मे भी श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध देखा गया। कथा के संयोजक समाजसेवी मेजर वीरेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी ने मनोरमा त्रिपाठी के साथ व्यासपीठ का वैदिक पूजन अर्चन किया। संचालन पं. हेमन्त शुक्ल ने किया। इस मौके पर रेखा शुक्ला, अंजू, आशुतोष त्रिपाठी, शिवभूषण, आलोक त्रिपाठी, सौरभ, अक्षत, नीलमणि, कृपाशंकर आदि रहे।

चुनाव की गतिविधियां हुई तेज,बिके तीन नामांकन पत्र

पट्टी। पट्टी बार एसोसिएशन के चुनाव की गतिविधियां तेज हो गई है। चुनाव में प्रतिभाग करने वाले अधिवक्ता साथियों को अपने पाली में करने की जुगत में लगे हुए हैं। आगामी 25 अप्रैल को पट्टी बार एसोसिएशन का चुनाव होना है। जिसके लिए पूर्व में ही चुनाव समिति एल्डर कमेटी का गठन किया गया था। एल्डर कमेटी के अध्यक्ष राधा रमण मिश्र द्वारा नामांकन पत्रों की बिक्री की जा रही है। जिसके लिए निर्धारित शुल्क जमा कर प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र खरीद रहे हैं। शुक्रवार को दिन में करीब 12 बजे जब एल्डर कमेटी के अध्यक्ष राधा रमन मिश्रा बताया कि गुरुवार को महामंत्री व कोषाध्यक्ष का एक-एक नामांकन पत्र बिका था। शुक्रवार को अध्यक्ष पद का एक नामांकन पत्र खरीदा गया है। 5 अप्रैल तक नामांकन पत्र खरीदने की आखिरी तिथि है । जिसके बाद कोई भी नामांकन पत्र नहीं दिया जाएगा।

नौ मई को होगा लालगंज संयुक्त अधिवक्ता संघ का चुनाव, देवी प्रसाद अध्यक्ष व विकास मिश्र चुनाव समिति के महामंत्री हुए चयनित

लालगंज। संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव को लेकर शुक्रवार को चुनाव समिति के पदाधिकारियो का चयन हुआ। एल्डर कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद मिश्र की अध्यक्षता में पन्द्रह सदस्यीय चुनाव समिति की बैठक हुई। इसमे सर्वसम्मत से पूर्व अध्यक्ष देवी प्रसाद मिश्र को अध्यक्ष तथा पूर्व अध्यक्ष विकास मिश्र को महामंत्री चुना गया। समिति के प्रवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि पूर्व अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह अगई को संरक्षक तथा रामलगन यादव को वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं अजय शुक्ल गुडडू को उपाध्यक्ष चयनित किया गया है। शिवाकांत उपाध्याय कोषाध्यक्ष तथा संजय सिंह आय व्यय निरीक्षक व रमेश पाण्डेय मंत्री एवं राजेन्द्र विश्वकर्मा सूचना एवं प्रचार मंत्री चयनित किये गये। समिति ने संजय सिंह, प्रमोद सिंह, करूणाशंकर मिश्र प्रदीप, घनश्याम सरोज, मो. इरफान अली सदस्य चुनें गये। वहीं समिति द्वारा वर्तमान कार्यकारिणी के कार्यकाल के समय को देखते हुए संघ का चुनाव नौ मई को तथा दक्षता भाषण एक दिन पूर्व आठ मई को कराए जाने का ऐलान किया। प्रवक्ता ज्ञानप्रकाश ने बताया कि चुनाव के अन्य सभी पूर्व घोषित कार्यक्रम यथावत रहेंगे।

आगजनी में गृहस्थी हुई खाक

प्रतापगढ़। चूल्हे में लगे गैस सिलेण्डर के अचानक लीकेज हो जाने से घर में आग लग गयी। आगजनी में गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया। सांगीपुर थाना के इदिलपुर गांव में रामसमुझ कोरी के पुत्र रामू के घर गुरूवार की सुबह सिलेण्डर में लीकेज होने से आग लग गयी। अचानक आगजनी से घर में अफरातफरी मच गयी। इदिलपुर प्रधान अमर बहादुर सिंह के साथ ग्रामीणों ने आग पर किसी तरह मशक्कत कर काबू पाया। पीड़ित ने बताया कि आगजनी में गृहस्थी का पूरा कीमती सामान जलकर नष्ट हो गया है।

06 ग्राम पंचायत में पंचायत भवन निर्माण हेतु भू-स्वामियों से भूमि दान, क्रय किया जायेगा

भू-स्वामी भूमि विक्रय हेतु 10 अप्रैल तक सहमति पत्र उपलब्ध करायें

प्रतापगढ़। जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकान्त दर्वे ने बताया है कि पंचायती राज उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा जिन ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है, उन ग्राम पंचायतों में आबादी के निकट स्थल व आवागमन की सुलभता वाले मार्ग के समीप 500 वर्ग मीटर अथवा यथा आवश्यक निजी भूमि क्रय किये जाने के निर्देश प्राप्त हुआ है। उन्होने बताया है कि 06 ग्राम पंचायतां में पंचायत भवन निर्माण के सम्बन्ध में भू-स्वामियों से दान, क्रय किया जाना है उनमें विकास खण्ड बेलखरनाथधाम के ग्राम पंचायत मकरामनभौना व कांपा मधुपुर, पट्टी के ग्राम पंचायत दशरथपुर, आसपुर देवसरा के ग्राम पंचायत अकारीपुर, शिवगढ़ के ग्राम पंचायत जयरामपुर व मानधाता की ग्राम पंचायत मधुपुर सम्मिलित है। क्रय की जाने वाली भूमि निर्धारित शर्तो क्रमशः पंचायत भवन हेतु भूमि आबादी के नजदीक होना चाहिये, आवागमन हेतु कम से कम 15 फिट चैड़ा मार्ग होना चाहिये, भूमि निर्विवाद होना चाहिये के अधीन भू-स्वामियों के परस्पर समझौते के आधार पर भूमि क्रय करने की प्रक्रिया की जानी है। सम्बन्धित भू-स्वामी शपथ पत्र व खतौनी के साथ सम्बन्धित ग्राम पंचायतध्विकास खण्डध्जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में भूमि विक्रय हेतु सहमति पर दिनांक 10 अप्रैल 2025 तक उपलब्ध करा दें। प्राप्त दावों में भूमि के परीक्षणोपरान्त क्रय की जायेगी।

किशोरी हुई लापता पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

पट्टी। खाना खाकर सोने गई किशोरी लापता हो गई। बाबा की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात पर अपहरण का मुकदमा दर्ज किया है। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के सैफाबाद बाजार निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसके नातिन उम्र लगभग 16 वर्ष सात माह बीते 31 मार्च की रात्रि खाना खाकर अपने बिस्तर पर सोई थी । एक अप्रैल की सुबह घर के लोग उठे तो वह बिस्तर से गायब थी। उसकी हर संभावित स्थान पर खोज की गई पर कहीं पता नहीं चला। इसके बाद गायब किशोरी के बाबा ने थाने पर प्रार्थना पत्र दिया। पुलिस ने अज्ञात पर किशोरी को बहला फुसलाकर भाग ले जाने के मामले में अपहरण का मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री अभ्युदय निःशुल्क कोचिंग में प्रवेश हेतु अभ्यर्थी 07 मई तक करें आवेदन

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने बताया कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत जनपद में संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय निःशुल्क कोचिंग केन्द्र (मुनीश्वरदत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय तथा जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय पूर्ववर्ती नाम-राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय नरायनपुर) में नवीन सत्र 2025-26 हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, यूपीपीएससी, एनडीए, सीडीएस, नीट, जेईई, एसएससी एवं अन्य परीक्षाओं की तैयारी कराये जान हेतु 01 जुलाई 2025 से कक्षायें संचालित किया जाना प्रस्तावित है जिसमें प्रतिभाशाली, इच्छुक प्रतियोगी छात्र/छात्रायें प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते है। उन्होने बताया है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु इच्छुक अभ्यर्थी अपने शैक्षणिक अभिलेखों (हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट तथा स्नातक इत्यादि) की छायाप्रति, आधार कार्ड तथा 02 पासपोर्ट साइज का फोटोग्राफ लेकर दिनांक 07 अप्रैल से 07 मई 2025 तक मुनीश्वरदत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय अभ्युदय केन्द्र के कार्यालय में उपस्थित होकर आवेदन फार्म प्राप्त कर सकते है तथा आवेदन पत्र भरकर जमा कर सकते है। उन्होने बताया है कि 01 जून से 07 जून 2025 के मध्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जायेगा अथवा मेरिट, काउंसिलिंग तथा प्रवेश परीक्षा परिणाम के आधार पर दिनांक 07 जून से 20 जून 2025 के मध्य छात्र/छात्राओं का रजिस्ट्रेशन पूर्ण किया जायेगा, इच्छुक अभ्यर्थी समयान्तर्गत आवेदन जमा करें।

नवोदय परीक्षा में उतीर्ण होने पर दी बधाई

पट्टी। नवोदय प्रवेश परीक्षा में कोठियार गांव निवासी छात्रा शिवा पटेल पुत्री दीपक के उत्तीर्ण होने पर परिजनों के साथ ही विद्यालय के लोगों ने बधाई दी है। शिवा पटेलसरस्वती विद्या मंदिर की छात्रा थी। विद्यालय के प्रबंधक विनोद सिंह एवं सभासद रामचरित्र वर्मा, प्रधानाध्यापिका सोनम पाण्डेय, उप प्रधानाध्यापक शैलेश सिंह, अंजू सिंह,सौरव यादव, शिवकुमार वर्मा, विकास कनौजिया, शिवा पटेल ने छात्रा की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सही आँकड़े उपलब्ध करायें, योजना निर्माण में भागीदार बने : डीएसटीओ

प्रतापगढ़। नियोजन विभाग (अर्थ एवं संख्या प्रभाग) उ0प्र0 एवं सांख्यिकीय और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश के क्रम में जनपद में स्वास्थ्य से सम्बन्धित सामाजिक उपभोग पर सर्वेक्षण जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रिंयका सोनी के पर्यवेक्षण में किया जा रहा है। राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण 80वाँ दौर के अन्तर्गत सर्वेक्षण कार्य रैण्डम आधार पर चयनित 32 ग्रामीण एवं नगरीय इकाईयों में मोहन श्रीवास्तव एवं जीतेन्द्र सिंह सहायक सांख्यिकीय अधिकारी द्वारा आँकड़ों का संग्रहण एवं परिनिरीक्षण प्रत्येक माह करते हुए माह दिसम्बर 2025 तक पूर्ण किया जायेगा। संग्रहीत आँकड़ों द्वारा सामान्य तौर पर एक परिवार द्वारा एक वर्ष में स्वास्थ्य पर व्यय, इलाज हेतु परिवार द्वारा कौन-सी चिकित्सा पद्धति (होम्योपैथ, आयुष एवं एलोपैथ) को प्राथमिकता दी जा रही है एवं कितने परिवारों द्वारा सरकारी या निजी क्षेत्र में उपचार कराया जा रहा है से सम्बन्धित सूचना प्राप्त होगी। इसके साथ ही स्वास्थ्य सम्बन्धी अन्य महत्वपूर्ण आँकड़े भी एकत्रित किये जा रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य सम्बन्धी योजना निर्माण में सरकार को मदद प्राप्त होगा।

संघर्षशील आशा बहुँओं को चिन्हित कर प्रशिक्षण देकर बनाएं सक्षम : डीएम

अखंड भारत संदेश

जिलाधिकारी ने एमओआईसी कड़ा द्वारा अपने कार्यो के प्रति लापरवाही पाये जाने पर प्रतिकूल प्रविष्टि देने के दिए निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा सम्राट उदयन सभागार में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना, चिकित्सकों एवं सीएचओ की उपलब्धता, आशा कार्यक्रम/आशा भुगतान, जननी सुरक्षा, परिवार कल्याण कार्यक्रम, जननी शिशु सुरक्षा, विटामिन बर्थ डोज मंत्रा पोर्टल, मातृ मृत्यु समीक्षा, टीकाकरण कार्यक्रम, एएनसी चेकप एवं आभा आईडी योजना सहित आदि अन्य योजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी, एएनएम एवं आरबीएसके की टीम गांव में भ्रमण कर गर्भवती महिलाओं (एचआरपी) के बारे जानकारी प्राप्त करें, कि उनका नियमित टीकाकरण/चेकप हो रहा है या नहीं। उन्होंने शिशु मृत्युदर की समीक्षा के दौरान शिशु म्त्युदर को हर हाल में कम करने के निर्देश दिए। इसके लिए सघर्षशील/मध्यम आशाओं को निरीक्षण के दौरान चिन्हित कर उन्हें प्रशिक्षित करें एवं जागरूक करें। उन्होंने कहा कि आशायें घर-घर जाकर गर्भवती महिलाओं को शिशुओं की देखभाल कैसे करनी है, इसके बारे में जागरूक करें, जिससे शिशु मृत्युदर को कम किया जा सकें। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा के दौरान सरकारी एवं प्राइवेट अस्पतालों में हुए प्रसव सम्बन्धी ऑकड़ों की जानकारी प्राप्त की गई। उन्हांने कहा कि प्रसूता को निर्धारित समयावधि 48 घण्टें तक अस्पताल में रोका जाय। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकत्रियों द्वारा गर्भवती महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा प्रसव सरकारी अस्पताल में कराने के लिए जागरूक किया जाय। उन्होंने आरबीएसके टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर लक्ष्य के सापेक्ष किशोरियों की जॉच एवं सैम/मैम बच्चों का वजन आदि सहित अन्य कार्यों को करेंगे। साथ ही निरीक्षण के दौरान आशा बहुँओं एवं ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों से वजन व लम्बाई की जॉच अपने सामने करायें अगर वे सही ढंग से जॉच नहीं कर पा रही है तो उसे सिखायें। जो आशा/ऑगनबाड़ी कार्यकत्री अच्छा काम कर रही है उन्हें ब्लाक वाइस सम्मानित भी करवायें। उन्होंने इसके लिए ब्लाक स्तर पर 15,16 एवं 17 अप्रैल 2025 का दिन तय किया।

बैठक में जिलाधिकारी ने परिवार कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने एएनसी रजिस्ट्रेशन की समीक्षा के दौरान सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को गर्भवती महिलाओं की एएनसी चेकअप पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दियें। उन्होंने नियमित टीकाकरण की समीक्षा के दौरान सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि आशा एवं एएनएम के साथ नियमित रूप से बैठक कर टीकाकरण की प्रगति की समीक्षा की जाय तथा आशा एवं एएनएम के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाय कि वे अपने बच्चों का टीका अवश्य लगवायें। उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि टीम के साथ गॉव-गॉव भ्रमण कर टीकाकरण से छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण अवश्य करवायें। जिलाधिकारी ने एमओआईसी कड़ा द्वारा अपने कार्यो के प्रति लापरवाही पाये जाने पर प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय अन्धता निवारण कार्यक्रम, पुनरीक्षित क्षय रोग नियन्त्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ रोग कार्यक्रम आदि की भी विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संजय कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं प्राचार्य मेडिकल कॉलेज सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

शोषण के विरुद्ध अधिकार पॉक्सो एक्ट व बच्चों के अधिकार विषय पर आयोजित कार्यक्रम

कौशाम्बी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्त्वावधान में प्राथमिक विद्यालय दौलतपुर कड़ाधाम में शुक्रवार को शोषण के विरुद्ध अधिकार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाएं विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कौशाम्बी द्वारा शिविर में अपनी बात रखते हुए सचिव, श्रीमती पूर्णिमा प्रांजल द्वारा शोषण के खिलाफ बालकों के अधिकारों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार अधिवेशन, किशोर न्याय अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम और राष्ट्रीय बाल नीति आदि के अनुसार 18 वर्ष से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे को बालक माना गया है। बच्चों को मारना,चिढ़ाना, मजाक करना, मजदूरी करवाना, उनके साथ छल करना, उनकी बात अनसुनी करना, अश्लील चित्र या किताब दिखाना, भद्दे इशारे करना, गाली-गलौच करना, डराना-धमकाना, तंग करना व बलात्कार आदि जैसे कृत्य अपराध की श्रेणी में आते हैं। अधिवक्ता उम्मे हबीबी ने कहा कि बाल अधिकारों के हनन को रोकने के लिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 और 24 में शोषण के खिलाफ अधिकारों का प्रावधान है। अनुच्छेद 45 में बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान है। बाल मजदूरी (निषेध एवं नियमन) अधिनियम, 1986 के मुताबिक 14 साल से कम उम्र के किसी बच्चे को किसी कारखाने या खदान में काम नहीं लगाया जा सकता। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देश पर लीगल सर्विस यूनिट फॉर चिल्ड्रेन का गठन प्रत्येक जिले में किया गया है। यह यूनिट देखभाल व संरक्षण योग्य बालकों और विधि का उल्लंघन करने वाले बालकों के संरक्षण और पुनर्वास से संबंधित मामलों में सहायक के तौर पर कार्य करेगी। यदि किसी बालक के अधिकारों का उल्लंघन होता है तो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय व तहसीलों में बने लीगल एड क्लिनिक में जाकर नियुक्त पीएलवी से शिकायत करें या चाइल्ड लाइन और विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कराएं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता, पीड़ित को क्षतिपूर्ति योजना, आपदाग्रस्त लोगों की मदद आदि से संबंधित प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में भी विस्तार से बताया।इस अवसर पर विद्यालय के हेडमास्टर राजकुमार प्रसाद, ग्राम प्रधान अनिल कुमार शर्मा, शिक्षक-शिक्षिकाएं, पीएलवी ज्योत्सना सोनकर सहित सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

डीएम ने की कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यो की विस्तृत समीक्षा

भरवारी मण्डी में लक्ष्य के सापेक्ष वसूली कम पाये जाने पर मण्डी सचिव का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश उप जिलाधिकारी चायल को दिए

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा उदयन सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में जिलाधिकारी ने विभागवार राजस्व वसूली की प्रगति की विस्तृत समीक्षा के दौरान वाणिज्यकर विभाग, खनन, स्टाम्प व रजिस्ट्रेशन एवं परिवहन में लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में प्रगति लाने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को प्रवर्तन कार्यो में और अधिक तेजी लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने नगर निकाय एवं नगर पालिका सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों कों लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में तेजी लाते हुए राजस्व वसूली को बढायें जाने के निर्देश दिए। उन्होंने भरवारी मण्डी में लक्ष्य के सापेक्ष वसूली कम पाये जाने पर मण्डी सचिव का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश उप जिलाधिकारी चायल को दिए। कृषक दुर्घटना बीमा में कवर होने वाले कृषकों की फाइलें जल्द से जल्द निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों को आईजीआरएस के अन्तर्गत प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं समयान्तर्गत करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि आईजीआरएस के अन्तर्गत प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समयान्तर्गत सुनिश्चित किया जाय, किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाय। उन्होने अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को स्वयं देखकर उनका निस्तारण करें, किसी भी स्तर पर शिकायतों को लम्बित न रहने दें एवं शिकायतकर्ता का फीडबैक अवश्य लें।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (राजस्व) अरूण कुमार गोंड, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रबुद्ध सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह यादव एवं सभी उप जिलाधिकारीगण सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

संगठन शक्ति से ही सनातन धर्मियों का उत्कर्ष संभव : वीएचपी

भरवारी कस्बे में विश्व हिंदू परिषद की बैठक संपन्न

कौशाम्बी। विश्व हिंदू परिषद की एक बैठक भरवारी कस्बे में की गई बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष अवधेश नारायण शुक्ला ने किया। इस मौके पर जिले में आगामी श्रीराम शोभा यात्राओं पर चर्चा की गई।इस मौके पर संगठन के जिला अध्यक्ष ने कहा कि आज पूरे विश्व में भारत विश्व के सबसे प्राचीन धर्म सनातन का ध्वजवाहक बनाकर आगे चल रहा है। ऐसे में भारत के अंदर देश विरोधी शक्तियां हैं जो सनातन को तोड़ने में लगी हुई है ऐसे में संगठन ही एकमात्र जरिया है 'जिसके जरिए हम सभी एकजुट होकर अपने देश की संस्कृति को मजबूत कर सकते हैं और मजबूत संस्कृत के भरोसे हम अपने भारत देश को विकसित बना सकते हैं। इस मौके पर मौजूद सभी लोगों ने संगठन की मजबूती को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दशार्या। बैठक में हररायपुर चौराहे से मूरतगंज होते हुए भरवारी तक 6 अप्रैल को निकाली जाने वाली राम रथ यात्रा के विषय में भी चर्चा हुई मौके पर सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की गई। इस मौके पर प्रमुख रूप से वेद प्रकाश सत्यार्थी, पुष्पेंद्र पांडे, शिवम पांडे, दीपक मौर्य, अंकित दिवाकर, मुकुल उपाध्याय, आकाश दिवाकर, उमाकांत साहू, अमित मिश्रा, संदीप मौर्य, सार्थक प्रजापति, आशुतोष राठौर, रमाकांत साहू, राम बहादुर प्रजापति, विवेक कुमार साहू, पिंटू साहू, बिंदेश्वरी प्रसाद शर्मा, चंद्रकांत साहू, नवनील केसरवानी सहित बड़ी संख्या में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इच्छुक अभ्यर्थी जिम प्रशिक्षक का करें आवेदन

कौशाम्बी। जिला खेल कार्यालय कौशाम्बी में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति से जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम कौशाम्बी में आधुनिक मल्टीपरपज जिम में 01 प्रशिक्षक (संविदा) पर रखने की स्वीकृति (अध्यक्ष जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति कौशाम्बी) द्वारा की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी जिला खेल कार्यालय कौशाम्बी द्वारा निम्नलिखित योग्यता के अनुसार आवेदन कर सकतें है।शैक्षिक योग्यता-इण्टरमीडिएट अनुभव-1वर्ष आयु वर्ष-40 संविदा मानदेय जिम प्रशिक्षक के चयन हेतु उक्त योग्यता जो अभ्यर्थी रखता हो 06.04.2025 को सांय 5:00 बजे तक क्रीड़ाधिकारी जिला खेल कार्यालय कौशाम्बी में किसी भी कार्यालय दिवस में आकर प्रातः 11:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक आवेदन पत्र जो स्वयं जमा कर सकते है या स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री डाक द्वारा भेज सकते है निर्धारित तिथि एवं समय समाप्त होने के उपरान्त आवेदन पत्र स्वीकार नही किया जायेगा।

पुलिस ने माना फौजी ने किया था मकान में जबरिया कब्जा

मुकदमा दर्ज करने के बाद मकान खाली कराने को और खुलेआम गुंडई करने वाले फौजी को गिरफ्तार करने को भूल गई पुलिस

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के भरवारी कस्बे में 7 मार्च को रीता केसरवानी के मकान में बलपूर्वक ताला तोड़कर कीमती सामान उठा ले जाने और मकान में ताला बंद कर-के कब्जा करने वाले प्रिशु सिंह फौजी और उनके लोगों के विरुद्ध कोखराज पुलिस ने 8 मार्च को गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है लेकिन धीरे-धीरे 28 दिन बीत जाने के बाद भी मकान कब्जा कर आतंक अराजकता फैलाने वाले फौजी और उसके लोगों की गिरफ्तारी पुलिस ने नहीं की है अदालत से स्थगन आदेश होने के बावजूद अदालत के निदेशों की धज्जियाँ उड़ाते हुए कानून व्यवस्था को तार तार करते हुए जिस तरीके से खुलेआम दर्जन गुंडो की फौज लेकर भरी आबादी कस्बे के बीच जिस तरह से फौजी और उसके लोगों ने रीता केसरवानी के मकान का ताला तोड़कर कब्जा कर खुले आम व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया था उस मकान को पुलिस ने अभी तक खाली नहीं कराया है अराजकता का अदालत से स्थगन आदेश होने के बावजूद जिस तरह से फौजी और उनके लोगों द्वारा नग्न नाच किया गया है कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। इतना ही नहीं रीता केसरवानी के मकान से ताला तोड़ने के बाद जो सामान फौजी और उसके लोग जबरिया उठा ले गए थे उस समान को भी बरामद करने की कोशिश थाना चौकी पुलिस ने अभी तक नहीं किया है खुलेआम मकान में कब्जा करने वाले फौजी और उनके लोग अब मकान में तोड़फोड़ और मरम्मत करके उसका नक्शा नावैयत बदलने पर उतारू है थाना चौकी पुलिस की लापरवाही के चलते रीता केसरवानी के मकान से चोरी किया गया सामान को फौजी और उनके लोग गायब कर देंगे और अपराधिक घटना को अंजाम देने का साक्ष्य नष्ट हो जाएगा थाना चौकी पुलिस की इस लापरवाही के पीछे बड़ी साजिश की बू आ रही है सवाल उठता है कि यदि अदालत के निर्देश पर मकान में दखल करने से फौजी को रोका गया था तो फौजी का इतना दुस्साहस ताला तोड़कर मकान में कब्जा करने का कैसे हुआ पर्दे के पीछे से फौजी को कौन बल दे रहा है यह जन जन की जुबान में है जिस तरह से फौजी ने भरवारी कस्बे में आतंक कर कानून की धज्जियां उड़ाई है अफसरो को मामले को गंभीरता से लेना होगा और कानून की धज्जियाँ उड़ाने वाले के मंसूबे को तोड़ते हुए उन्हें कानून में रहने के लिए सबक सिखाना जरूरी होगा वरना पुलिस की इस लापरवाही के बाद जमीनी विभाग के मामले में लोग बल प्रयोग कर कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करेंगे।

बिना फिटनेस का कोई भी प्राइवेट डग्गामार वाहन सड़क पर न चलने पाये : डीएम

जिलाधिकारी ने की सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा उदयन सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने पिछली बैठक में सड़क दुर्घनाओं में हो रहीं मृत्युओं पर जो निर्देश दिए गये थे उस पर क्या कार्यवाही हुई उसकी जानकारी लेते हुए कहा कि दुर्घटनाओं में हुई मृत्युओं की ऑडिट करें जिससे यह मालूम हो सकें कि किस कारणों से यह हो रहा है, जिससे उचित कार्यवाही कर ऐसी दुर्घटनाओं पर रोक लगायी जा सकें। जिलाधिकारी ने एआरटीओ को निर्देशित किया कि बिना फिटनेस का कोई भी प्राइवेट डग्गामार वाहन सड़क पर न चलने पाये। उन्होंने कहा कि बिना फिटनेस के स्कूली वाहन कदापि संचालित न होने पायें, नहीं तो कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेंगी। उन्होंने एआरटीओ को निर्देशित करते हुए कहा कि यातायात नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि अभी तक जिन मान्यता प्राप्त एवं प्राइवेट स्कूलों ने वाहनों का फिटनेस प्रमाण पत्र नहीं दिया है उनको निर्देशित करें कि वे 5 दिवस के अन्दर अपने स्कूल वाहनों का फिटनेस प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें, जिन गाड़ियों का फिटनेस प्रमाण पत्र समय से नहीं आये, उन गाड़ियां को सीज करने की कार्यवाही की जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी चिन्हित ब्लैक स्पॉटों के पास में जो भी सीएचसी एवं पीएचसी हों, वो हमेशा एलर्ट मोड पर रहें एवं सभी ब्लैक स्पॉटों पर एम्बुलेन्स हमेशा मौजूद रहें। उन्होंन एआरटीओ, जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षाधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पिछली बैठक में आप सभी को जिन विद्यालयों के सामने हाइवे हो एवं वाहनों का आवागमन ज्यादा हो, उन सभी स्कूलों पर शाइन बोर्ड 15 दिन के अन्दर ये साइनेज ह्लआगे स्कूल है, कृपया धीरें चलेंह्व का साइनेज लगवाने के निर्देश दिए गये थे। उन्होंने उस पर की गई कार्यवाही की जानकारी लेते हुए कहा कि जहॉ भी साइनेज लगवाने का कार्य बाकी रह गया है उसे जल्द से जल्द पूर्ण करायें। उन्होंने जनपद में जहॉ पर भी ऑटो टैक्सी बनने हो उन जगह का चिन्हिकरण कर जल्द से जल्द ऑटो स्टैण्ड बनवाये जिससे जाम की समस्या न उत्पन्न होने पाये।इस अवसर पर एडीएम अरूण कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रबुद्ध, अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी हरवंश सिंह, सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

परिषदीय विद्यालयों और ऑगनबाडी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति में वृद्धि कराने में सहयोग करे प्रधान : डीएम

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने कहा कि प्रिय प्रधान जी, आप जानते है कि उत्तर प्रदेश बेशिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित कक्षा-1 से 8 तक के विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के अधिकाधिक नामांकन को प्रोत्साहन देने तथा छात्रों का नामांकन कराने हेतु मुख्यमंत्री द्वारा दिनांक 01.04.025 को ह्यह्यस्कूल चलो अभियानह्यह्य कार्यक्रम का शुभराम्भ किया जा चुका है। इस सन्दर्भ में मुख्यमंत्री द्वारा यह अपेक्षा की गई है कि प्रदेश के समस्त परिषदीय विद्यालयों में अधिकाधिक बच्चों का नामांकन हो, जिससे सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं यथा-निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें, स्कूल बैग,जूता-मोजा,स्वेटर, यूनीफार्म, स्टेशनरी, मिड-डे-मील एवं स्मार्ट क्लास से बच्चें लाभान्वित हो सकें। आप बेसिक शिक्षा के महत्व से भली-भॉति अवगत है कि बेसिक शिक्षा बच्चों के उज्जवल भविष्य की नीव है,जो उन्हें सोंचने, समझनें और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने में मदद करती है, साथ ही आत्मविश्वास, सामाजिक और नैतिक मूल्यों की स्थापना में भी सहायक होती है। एक शिक्षा ही है जो जीवन की दशा एवं दिशा दोनों को तय करने में अहम भूमिका निभाते हुए हमें गरिमापूर्ण जीवन जीने की कला सिखाती है। अतएव बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए आप अपनी ग्राम पंचायत में निवास करने वाले अभिभावकों से संवाद स्थापित करके उन्हें शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए प्रेरित करें कि अपने बच्चों का नामांकन बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में करावें।इसी कड़ी में यह भी अवगत कराना है कि कुपोषण की रोकथाम सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में एक है। आपके नेतृत्व में ग्राम का विकास निरन्तर प्रगति पर है। इसी क्रम में ऑगनबाडी केन्द्रों पर बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति नितान्त आवश्यक है, क्योकि ऑगनबाडी केन्द्र न केवल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक है, बल्कि उनके पोषण और शिक्षा की महत्वपूर्ण प्रथम सोपान है। समाज के भविष्य को सशक्त बनाने में ऑगनबाडी केन्द्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऑगनबाडी केन्द्रों में बच्चों की अधिक से अधिक उपस्थिति बढाने के लिए प्रधान का सहयोग आवश्यक है। उपरोक्त दोनों विषयों पर प्रधान से अपील करते हुए डीएम ने कहा कि ग्राम पंचायत के ऑगनबाडी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति में वृद्धि करने तथा शत-प्रतिशत बच्चों का परिषदीय विद्यालयों में नामांकन कराने के लिए पूर्ण मनोयोग से सहयोग करें।

न्यूज झरोखा

जुमे की नमाज व वक़्फ विल संसोधन को लेकर पुलिस महानिरीक्षक प्रेम गौतम ने किया दौरा

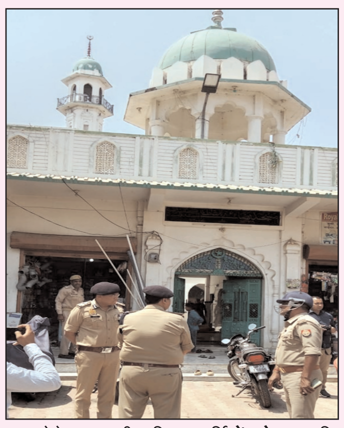

कोखराज कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के चाकवन चौराहे पर संदीपन रोड में मस्जिद का दौरा करने पहुँचे पुलिस महानिरीक्षक प्रेम गौतम ने जुमे की नमाज अदा करने व वक़्फ विल संसोधन के तहत सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और मस्जिद के इमाम से उनका हाल चाल जाना और मौके पर पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव भी साथ में क्षेत्र भृमण कर शांतिपूर्ण ब्यवस्था का जायजा लेते रहे है कोई भी समस्या होने पर तुरंत अपने नजदीकी थाना प्रभारी को अवगत कराए और सुरक्षा का जायजा लेते हुए सभी पुलिस कर्मियों को कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही नही हो मौके पर एसओ कोखराज चन्द्र भूषण मौर्य व कई थाने के प्रभारी व एसओजी भी सुरक्षा व्यवस्था में मौजूद रही।

ट्रेन से कटकर मृतक अधेड़ की हुई शिनाख्त ,परिजनों में कोहराम

अझुवा कौशांबी सैनी कोतवाली क्षेत्र के कनवार गांव के सामने दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग की डीएफसी लाइन पोल संख्या 351/22 व 351/24 डाउन लाइन पर बीती रात एक अधेड़ का छिन्न भिन्न शव मिला था जिसकी शिनाख्त कनवार गांव निवासी भूप नारायण मिश्र उम्र 49 वर्ष पुत्र स्व. चंद्रशेखर मिश्र के रूप में हुई ।देर रात्रि अझुवा चौकी पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।ग्रामीणों के अनुसार अधेड़ अविवाहित था अंग्रेजी विषय में अच्छी पकड़ थी अज्ञात कारणों से अधेड़ ने मौत को गले लगाया है ।

कन्या पूजन और भंडारे का हुआ आयोजन

कौशाम्बी। नवरात्रि के पावन पर्व पर देवी मंदिरों में प्रतिदिन पूजा अर्चना भजन कीर्तन का आयोजन भक्तों द्वारा किया जा रहा है नवरात्रि के पावन पर्व पर बड़ी संख्या में भक्त उपवास रहकर आदिशक्ति मां दुर्गा की पूजा अर्चना में लीन हैं कौशांबी जिले के विभिन्न देवी मंदिरों में प्रतिदिन कन्या पूजन और भंडारे का भी आयोजन भक्तजनों द्वारा किया जा रहा है इसी क्रम में शुक्रवार को नवरात्रि के सप्तमी को मंझनपुर मुख्यालय के नेहरू नगर के गली के अंदर शिव मंदिर में कन्या पूजन और भंडारे का आयोजन महिला भक्तों द्वारा आयोजित किया गया है जिसमें कन्याओं का पूजन कर तिलक रोली चंदन लगाकर उन्हें भोजन कराया गया है इस भंडारे में सैकड़ो भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया

ग्राम गौरा में डीएम ने करायी गेहूँ की क्रॉप कटिंग

कौशाम्बी जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने ग्राम-गौरा तहसील मंझनपुर के कृषक सुरेश के खेत में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत रबी फसल गेहूं की क्रॉप कटिंग सीसीई एग्री ऐप से करायी। उन्होंने कृषक सुरेश को माला पहनाकर व अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया।उन्हांने किसानों और ग्रामीणों को क्रॉप कटिंग की महत्ता को बताते हुए कहा कि प्रोडक्शन और प्रोडक्टिविटी का आकलन और कृषक की क्षतिपूर्ण का आकलन भी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत हुए क्रॉप कटिंग से ही होता है। उन्होंने उपस्थित किसानो को फसल बीमा योजना एवं क्रॉप कटिंग की महत्ता के बारे में जागरूक भी किया। क्रॉप कटिंग क्षेत्र में उपज-23.290 किग्रा अर्थात 53 कुंतल प्रति हेक्टेयर हुआ, जो बेहतर उपज का परिचायक हैं।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मंझनपुर अजेंद्र सिंह अपर सांख्यिकीय अधिकारी कौशाम्बी मनोज कुमार मिश्र जिला कृषि अधिकारी संतराम नायब तहसीलदार मोमिन राजस्व निरीक्षक कृष्णदेव त्रिपाठी लेखपाल अवधेश यादव बसंत कुमार प्रमोद सिंह फसल बीमा कम्पनी से जिला समन्वय योगेश वर्मा ब्लॉक कॉर्डिनेटर सुधीर कुमार के साथ ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

ईरिक्शा चालक वा चार पहिया वाहन में जोरदार टक्कर दो गम्भीर घायल

कोखराज कौशाम्बी कोखराज क्षेत्र के हाइवे पंचम ढाबा के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित ई रिक्शा चालक और कार में जोरदार टक्कर हो गई है हादसे में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं और दो लोगों को चोट आई हैं एक की हालत गंभीर है। बताया जाता है कि बाइक सवार को बचाने के चक्कर में ई रिक्शा चालक मान सिंह पाल निवासी नसीरपुर मूरतगंज सामने से आ रहे कार सवार से टकरा गया है बताया जाता है कि देवेश शर्मा परिवार के साथ कानपुर से बनारस जा रहे थे दुर्घटना में ई-रिक्शा चालक और कार का एक बच्चा आयुष को चोटें आई है कार सवार अन्य तीन लोग देवेश शर्मा वा पत्नी साधना शर्मा वा बेटा अंकुश बाल बाल बच गए देवेश शर्मा डिपो बस में हेड बाबू के पद पर कार्यरत है हादसे की सूचना पुलिस को दिया गया मौके पर कोखराज पुलिस ने पहुँच कर घायल को डायल 108 नम्बर एम्बुलेंस की सहायता से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और घायल के परिजनों को सूचित किया।

ब्लड चढ़ाते ही बिगड़ी तबियत इलाज के दौरान युवक की मौत

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के पिंडरा चौराहा के पास स्थित सुधा हॉस्पिटल में चिकित्सकों के द्वारा मरीज के शरीर में ब्लड चढ़ाते ही तबियत बिगड़ गई जिसके बाद चिकित्सकों ने मरीज को दूसरे हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया दूसरी हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही युवक की मौत हो गई। मृतक युवक के परिजनों ने सुधा हॉस्पिटल के चिकित्सकों के ऊपर गलत इलाज का आरोप लगाते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए कार्यवाही की मांग की है। करारी थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर निवासी सबिता पत्नी कमलेश ने मुख्य चिकित्सा धिकारी को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि उसके 20 वर्षीय पुत्र राजेश कुमार की 15 दिन पहले तबियत खराब हुई थी जिसके बाद पिंडरा चौराहा स्थित सुधा हॉस्पिटल 22 मार्च को लगभग 3:30 बजे ले गए वहां पर चिकित्सक खून की कमी बताकर उसके शरीर में खून चढ़ाने लगे तभी उसकी हालत नाजुक हो गयी। गंभीर हालत देखकर हास्पिटल द्वारा दूसरे हॉस्पिटल के लिए रेफर किया गया लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई जिसके बाद पुत्र के मौत से मृतक युवक की मां सदमें में चली गई थी। सदमें से बाहर आते ही लापरवाही पूर्वक इलाज करने वाले सुधा हॉस्पिटल के खिलाफ शिकायती पत्र देकर गलत तरीके से इलाज देने से मौत का आरोप लगाया है।

सम्पादकीय

संविधान से बड़ी छेड़छाड़ का रास्ता खुला

अपनी संख्या बल के आधार पर चाहे भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) की सरकार ने देश के वक्फ कानून में अपनी मर्जी का बदलाव करने में सफलता पा ली हो, लेकिन जो संदेश इसे पारित करने के लिये, खासकर लोकसभा में हुए मतदान ने जनता को दिया है उससे सम्भवतः देश के अल्पसंख्यकों को यह जानने में मदद मिलेगी कि उनकी जगह क्या है, उनके खैरख्वाह कौन हैं और कौन अहित चाहते हैं। लोकसभा ने बुधवार को 288 के मुकाबले 232 वोटों के बहुमत से वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 को पारित कर दिया तथा गुरुवार को राज्यसभा में दिन भर से इस पर चर्चा जारी है। इस सदन में 236 सदस्य हैं। बिल को पास करने के लिये 119 सदस्य चाहिये जबकि भाजपा के इसमें 98 सदस्य हैं। लोकसभा में इस विधेयक के पक्ष में विरोधी खेमे के 5 सदस्यों के वोट पड़े थे। राज्यसभा में भाजपा आवश्यक आंकड़ा प्राप्त करती है या नहीं, यह देखना होगा। हालांकि इस सदन में प्रस्ताव गिर भी जाये तो भी सरकार को फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि बाद में उसे दोबारा भेजकर संवैधानिक नियमों के तहत पारित करा ही लिया जायेगा। इसे उच्च सदन पूरी तरह से रोक नहीं पायेगा। इस कानून के एक तरह से अस्तित्व में आ जाने के बाद अब वक्त है कि अल्पसंख्यक, विशेषकर मुस्लिम सोचें कि उन्हें आगे क्या करना है। यह ऐसा समय है जब उन्हें समझना होगा कि कौन से राजनीतिक दल और व्यक्ति उनका वाकई भला चाहते हैं और किन दलों ने इस विधेयक को पारित कराने में सहयोग देकर उन्हें कमजोर करने का मार्ग प्रशस्त किया है। वैसे तो मतदान का जो पैटर्न दिखा तथा विधेयक के पक्ष-विपक्ष में जो तर्क दिये गये, वे बता देते हैं कि कौन सा दल उनके पक्ष में खड़ा है। कोई यह न सोचे कि यह पैटर्न वक्फ कानून पर मतदान तक ही सीमित रहेगा। पहली बार 8 अगस्त, 2024 को जब यह विधेयक संसद में पेश हुआ था, तब उस पर हुई चर्चा, तत्पश्चात उसे संयुक्त संसदीय समिति में भेजे जाने तक कुछ दलों का रवैया आश्चर्यजनक ढंग से तथा उम्मीदों के विपरीत भाजपा के प्रति सहयोगात्मक रहा। ये वे दल हैं जो वक्फ कानून पर सरकार से बात कर सकते थे। इनमें से कम से कम दो तो ऐसी पार्टियां हैं ही जो अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षक मानी जाती रही हैं और उन्हीं पर सरकार टिकी हुई है। यदि एक बार भी वे समर्थन वापसी की धमकी देते तो यह विधेयक भाजपा सरकार अलमारी में बन्द कर देती। ये दोनों दल हैं- आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी और बिहार की जनता दल यूनाइटेड जिसके क्रमशः 16 और 12 सदस्य हैं। दोनों ही अल्पसंख्यक समर्थक पार्टियां कहलाती हैं लेकिन इस विधेयक को उनके मिले समर्थन ने यह भरम तोड़ दिया। इस विधेयक पर चर्चा ने सियासी समीकरणों को तथा सत्ता के लिये विचारधारा की कुर्बानियों को और भी स्पष्ट कर दिया है। इस कानून को पारित कराकर भाजपा यह बताने में कामयाब रही है कि इस लोकसभा के चुनाव में उसे चाहे कम सीटें मिली हों लेकिन जनता अब भी उसके साथ है तथा एनडीए को कोई खतरा नहीं है।

'नागरिकों के सिर की छत ऐसे नहीं गिराई जा सकती'

- वर्षा भम्भाणी मिर्जा

बुलडोजर राज पर लौटते हैं। आखिर छह महीने पहले भी क्यों सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा था कि एक पखवाड़े तक बुलडोजर नहीं चलेगा तो कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा? न्यायालय की टिप्पणी थी कि, 'कानून दरअसल किसी के भी घर को महज इसलिए गिराए जाने की आज्ञा नहीं देता कि वे किसी मामले में आरोपी हैं; और ऐसा तो किसी दोषी के मामले में भी नहीं किया जा सकता।'

एक आठ साल की बच्ची बुलडोजर से ढहते और जलते हुए घर से अपनी किताबें निकालकर दौड़ती है ताकि यह तबाही उसकी पढ़ाई को न रौंद दे। यह दृश्य वाकई बहुत क्रूर है, संविधान के मौलिक अधिकारों का हनन है और भारत का कानून कभी इसकी अनुमति नहीं देता है। कानून इस बात की भी इजाजत नहीं देता है कि पुलिस मुठभेड़ में मार दिए गए आरोपी के परिवार के घरों को शासन का अमला जमींदोज कर दे और फिर प्रचारित करे कि यह हमारा 'बुलडोजर जस्टिस' है। यह भारतीय संविधान की उस भावना की भी अवहेलना है जो मानती है कि अपराध साबित होने तक हर आरोपी निर्दोष है, किसी एक के अपराध की सजा उसके परिवार को नहीं दी जा सकती। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के दो जज जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की संयुक्त पीठ ने कहा- 'नागरिकों के सिर की छत ऐसे नहीं गिराई जा सकती।'

ये मामले हमारे विवेक को झकझोर देते हैं। यह कानून और मानवता के खिलाफ है।' कोर्ट ने 'बुलडोजर न्याय' को बुलडोजर अन्याय साबित करते हुए प्रत्येक परिवार को दस-दस लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश भी दिया। केवल आरोप और शक के आधार पर किसी का घर बुलडोज कर देने की यह बीमारी भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के साथ छूत की तरह अन्य राजनीतिक दलों को भी लग रही है। सवाल यह है कि यह लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई सरकारें ऐसे तमाम फंडे क्यों अपनाने लग जाती हैं कि लगता है जैसे देश में कानून का राज समाप्त हो गया हो? उत्तर प्रदेश सरकार के वकील का तर्क था कि दस लाख के मुआवजे की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि अपील करने वालों के पास नए घर हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय ने लगभग फटकार लगाते हुए कहा कि 'इससे प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को गलती का एहसास होगा और प्राधिकरण भविष्य में कानूनी प्रक्रिया का पालन करना याद रखेगा।' वैसे देखने में यही आया है कि सरकारें ऐसी घटनाओं को गलत नहीं मानतीं। तभी प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी कह दिया है कि बुलडोजर का उपयोग जरूरत है, कोई उपलब्धि नहीं।

मामला करीब चार साल पुराना है। मार्च 2021 में प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने लूकरगंज क्षेत्र के मकानों को केवल एक दिन के नोटिस पर बुलडोजर से ढहा दिया। इसका वायरल वीडियो, जिसमें एक आठ साल की बच्ची आग और बुलडोजर से अपनी किताबों को बचा रही है, वह पिछले माह का है। दृश्य, जिसने सर्वोच्च अदालत की अंतरात्मा को झकझोर दिया था, उसमें उत्तरप्रदेश के अंबेडकर नगर के अरई गांव की बच्ची अनन्या यादव है। वह पहली कक्षा में पढ़ती है। उस दिन 24 मार्च को उसने रोज की तरह स्कूल से आकर अपने छप्पर में बस्ता रखा ही था कि आग लग गई। उस छप्पर में अनन्या का परिवार जानवरों को बांधता है। एक तरफ आग लगी थी, दूसरी ओर पुलिस तथा नगर निगम का अमला उसके घर को जमींदोज करने में लगा था।

बच्ची ने एक रिपोर्टर को बताया कि उसे डर था कि अगर उसकी किताबें जल गईं तो दोबारा नहीं मिलेंगी। इसके लिए वह आग में भी चली गई। नाम के मुताबिक यह बच्ची अनन्या (उस जैसा कोई नहीं) ही है लेकिन यह कितना डरावना है कि सरकारें

कोई भी हों, अतिक्रमण हटाने के नाम पर आए दिन घरों को उजाड़ती हैं। ये दस्ते जब इन जगहों पर पहुंचते हैं तो चीत्कार का आलम होता है। इनके बुलडोजरों के आगे घर की महिलाएं लेट जाती हैं, हाथ जोड़ती हैं, आंसुओं से विनती करती हैं; लेकिन किसी का दिल नहीं पसीजता। ये सब जैसे एक राक्षस में तब्दील होकर हुकुम की तामील में लग जाते हैं। इन पीड़ितों के चेहरे उन चेहरों से कतई अलग नहीं होते जो युद्ध और दंगा पीड़ितों के होते हैं। इनकी आखों में उसी भय और पीड़ा को पढ़ा जा सकता है। अफसोस कि प्रशासन के दिल और दिमाग भी इन्हीं बुलडोजरों जैसे सख्त होते हैं और अब सख्ती को ही उन्होंने अपना शगल बना लिया है। सवाल यही है कि इस शासन के पीछे जो नेता हैं वे क्यों जनता के समर्थन से जीतने के बाद जनता का ही दमन करने लगते हैं?

पूछने पर इस सवाल का प्रभावी जवाब एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से आता है। उसके मुताबिक बहुत बार ऐसा होता है कि लोकतांत्रिक तरीके से ही तानाशाह भी सत्ता में आ जाते हैं। अपनी हार के डर से वे संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करते हैं, विपक्ष की आवाज को दबाते हैं और स्वतंत्र मीडिया को मौन कर देते हैं। आलोचकों और विरोधियों को चुप करने के लिए कानूनी पेंचों का इस्तेमाल करते हैं और कभी-कभार कानून बदलकर अपनी ताकत बढ़ाते हैं। मकसद केवल एक होता है- सत्ता लंबे वक्त तक उनकी बनी रहे। कोई-कोई तो हमेशा के लिए। देशों की बात करें तो रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्ष आजीवन पद पर बने रहने का इंतजाम कर चुके हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी अमेरिकी संविधान में संशोधन करना चाहते हैं ताकि तीसरी बार सत्ता संभाल सकें। कायदे से वहां एक व्यक्ति केवल दो बार राष्ट्रपति बन सकता है। यह अलग बात है कि वहां के लोग अब पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को भी तीसरी बार पद पर देखने की ख्वाहिश ज़्ााहिर कर रहे हैं।

बुलडोजर राज पर लौटते हैं। आखिर छह महीने पहले भी क्यों सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा था कि एक पखवाड़े तक बुलडोजर नहीं चलेगा तो कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा? न्यायालय की टिप्पणी थी कि, 'कानून दरअसल किसी के भी घर को महज इसलिए गिराए जाने की आज्ञा नहीं देता कि वे किसी मामले में आरोपी हैं; और ऐसा तो किसी दोषी के मामले में भी नहीं किया जा सकता।' न्यायपालिका उस राजनीतिक प्रतीकवाद से बेखबर नहीं रह सकती जिसमें बुलडोजर प्रशासन द्वारा दंगाई बताये गये लोगों को सामूहिक दंड देने का उपकरण बन गया है। बीते साल छह राज्यों में 1933 आरोपियों की संपत्ति पर बुलडोजर चले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 1535 कार्रवाइयां उत्तरप्रदेश में हुई हैं। उसके बाद मध्यप्रदेश (259), हरियाणा (64), गुजरात (55), राजस्थान (10) और दिल्ली (10) हैं। उत्तरप्रदेश में 2017 में पहली बार बुलडोजर चला था तब 13 बाहुबलियों के मकान ढहा दिए गए थे। इसके बाद 8 पुलिसकर्मियों की हत्या के गैंगस्टर विकास दुबे की 100 करोड़ से भी ज्यादा की संपत्ति को मिट्टी में मिला दिया गया। त्वरित न्याय का चस्का सत्ता को ऐसा लगा कि फिर विकास दुबे को ही मुठभेड़ में मार दिया गया।

कानपुर के बाद यही प्रयागराज में हुआ। इस मामले में गैंगस्टर अतीक पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। एक पल के लिए मान भी लिया जाए कि वे दुर्दांत अपराधी रहे होंगे, लेकिन क्या फिर इसी न्याय व्यवस्था को हमारे गणतंत्र की व्यवस्था मान लिया जाए? आमजन में डर पैदा करना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का मकसद कैसे हो सकता है? ऐसी व्यवस्था में बड़े हुए बच्चे कैसे नागरिक बनेंगे? अनन्या यादव अधिकारी बनना चाहती है लेकिन ऐसे हादसे कैसे उसे सहज और मजबूत रखेंगे? अच्छी बात यही है कि छह अपीलकताओं को सुप्रीम कोर्ट ने मुआवजे का निर्देश दिया है।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के उर्दू विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष अली अहमद फातमी, जिनका घर बुलडोजर से ढहा दिया था, उनकी लाइब्रेरी और सैकड़ों किताबें भी इस कार्रवाई में जमींदोज कर दी गईं थीं, कहते हैं-'जिस घर में रह रहे थे, उसका गिरना बहुत दर्द भरा था लेकिन बहुत शुक्रगुजार हूं कि सुप्रीम कोर्ट ने इस दर्द को समझा।'

ट्रम्प के टैरिफ पर केनेडा, मैक्सिको और चीन से भारत सबक ले

- डॉ. नीलांजन बानिक

डील के विपरीत, केनेडा को यूरोपीय संघ और चीन से दुर्लभ खनिज सामग्री मिलेगी। अमेरिकी टैरिफ नीति अंततः आर्थिक अलगाव की ओर ले जा सकती है और समय के साथ रणनीतिक खतरों के खत्म होने के बाद टैरिफ पर अंतिम विराम भी लग सकता है। वास्तव में, टैरिफ अमेरिका के लिए कभी काम नहीं किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने चीनी आयात पर 20 प्रतिशत और केनेडाई और मैक्सिकन वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया। केनेडा ने 20.7अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के अमेरिकी निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाकर जवाबी कार्रवाई की। यदि 21 दिनों के बाद ट्रम्प टैरिफ में कटौती नहीं करते हैं, तो इस प्रतिशोध को 86.2अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के सामानों तक बढ़ाने की संभावना है। चीन ने पहले भी विभिन्न अमेरिकी निर्यातों पर 10 से 15 प्रतिशत टैरिफ लगाकर जवाबी कार्रवाई की है। भारत पर टैरिफ 2 अप्रैल, 2025 से शुरू होने वाले हैं। अमेरिका केनेडा का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। इसलिए, केनेडा अत्यधिक असुरक्षित है। विशुद्ध रूप से संख्याओं (विशेष रूप से जीडीपी के प्रतिशत के रूप में व्यापार) के आधार पर, यह स्पष्ट है कि केनेडा और मैक्सिको को ट्रम्प के टैरिफ से सबसे अधिक नुकसान होने की संभावना है। विशेष रूप से, स्टील पर 25 प्रतिशत टैरिफ और एल्युमीनियम उत्पादों पर 10 प्रतिशत टैरिफ के साथ-साथ विभिन्न अन्य वस्तुओं पर टैरिफ के कारण। यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको-केनेडा समझौते (यूएसएमसीए) के तहत, इन देशों को व्यापार में न्यूनतम बाधाओं के साथ अमेरिकी बाजार में अपेक्षाकृत खुली पहुंच प्राप्त थी। टैरिफ के कारण केनेडाई निर्माताओं की लागत बढ़ गयी, जिससे उनके ऑटोमोबाइल जैसे सामान अमेरिकी बाजार में कम प्रतिस्पर्धी हो गये।

जवाबी कार्रवाई में, केनेडा ने सोयाबीन, डेयरी उत्पाद, केचप, व्हिस्की और गद्दे जैसे उत्पादों सहित 12अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के अमेरिकी सामानों पर टैरिफ लगाया, जिससे केनेडाई निर्यात पर निर्भर अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ गयी। केनेडा अमेरिकी ईवी निमार्ता टेस्ला पर 100 प्रतिशत कर लगाने पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। देश अमेरिकी ग्राहकों को बिजली पर अधिभार लगाने की भी योजना बना रहा है।

चीनी और केनेडाई निर्मित ऑटोमोबाइल घटकों पर टैरिफ लगाने के ट्रम्प के फैसले से अन्य अमेरिकी कार निमार्ता भी प्रभावित हो रहे हैं। इसी तरह, मैक्सिको को भी

महत्वपूर्ण व्यापार व्यवधानों का सामना करना पड़ा। विशेष रूप से स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ ने मैक्सिकन उद्योगों को प्रभावित किया, जो इन कच्चे माल के अमेरिकी निर्यात पर निर्भर हैं।

दूसरी ओर, चीन ने रणनीतिक रूप से अपने उत्पादन आधार को मेक्सिको में स्थानांतरित कर दिया, जिससे उन पर लगाये गये टैरिफ के शुरूआती प्रभाव को प्रभावी ढंग से कम किया जा सका। चीन ने ट्रम्प 1.0 से अपने सबक सीखे। इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और उपभोक्ता उत्पादों सहित उद्योगों में सैकड़ों अरबों डॉलर के चीनी निर्यात पर 2018 में लगाये गये अमेरिकी टैरिफ से चीन बुरी तरह प्रभावित हुआ था।

बदले में, चीन ने सोयाबीन, मांस और मुर्गी, कार और रसायनों जैसे अमेरिकी सामानों पर टैरिफ लगाकर जवाबी कार्रवाई की। इसके बजाय, वे अब अपने अधिकांश सूअर के मांस को स्पेन, जर्मनी और फ्रांस से खरीदते हैं, और ब्राजील और वेनेजुएला से सोयाबीन और कॉफी जैसी कृषि वस्तुओं की खरीद करते हैं।

2018 में अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बढ़ने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह से बाधित हुई, खास तौर पर इन दोनों देशों से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखला। तब से, चीन ने अपने उत्पादन आधार को रणनीतिक रूप से बदलना शुरू कर दिया। चीन ने अमेरिका पर अपनी व्यापार निर्भरता को सफलतापूर्वक कम कर दिया है।

कुल अमेरिकी व्यापार में चीन की हिस्सेदारी- जिसे निर्यात और आयात के योग के रूप में मापा जाता है- 2018 में 15.7 प्रतिशत से घटकर 2024 में 10.9 प्रतिशत हो गयी। इसी अवधि में चीन के कुल व्यापार में अमेरिका की हिस्सेदारी 13.7 प्रतिशत से घटकर 11.2 प्रतिशत हो गयी।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने चीन पर अपने स्टील उत्पादों को मैक्सिकन के रूप में फिर से भेजने का आरोप लगाया, ताकि अवैध रूप से अमेरिकी बाजार में प्रवेश किया जा सके। 2023 में मैक्सिकन वस्तुओं का कुल अमेरिकी आयात $ 475अरब था, जो 2022 के आंकड़े से लगभग $ 20अरब अधिक है। 2023 में चीन से अमेरिका द्वारा आयातित वस्तुओं की कुल मात्रा 427अरब अमेरिकी डॉलर थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर कम है।

कुल परिणामः कम से कम 30 चीनी फर्म वर्तमान में मेक्सिको से काम कर रही हैं, जिनमें बीवाईडी और चेरी इंटरनेशनल जैसी चीनी ऑटोमोबाइल प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। चीन ने पिछले कुछ वर्षों में मेक्सिको में 30 प्रतिशत अधिक एफडीआईडाला है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि चीनी अधिक आक्रामक हैं, खुले तौर पर कह रहे हैं कि वे व्यापार युद्ध में शामिल होने से डरते नहीं हैं।

भारत के लिए, अमेरिका पर व्यापार निर्भरता केनेडा और मेक्सिको की अमेरिका के साथ व्यापार निर्भरता के स्तर की तुलना में उतनी अधिक नहीं है। अमेरिका को भारत द्वारा किये जाने वाले मुख्य निर्यात में परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद, रत्न और आभूषण, परिधान और वस्त्र, इंजीनियरिंग सामान और दवा उत्पाद शामिल हैं। इनमें से, ट्रम्प ने दवाइयों की वस्तुओं पर टैरिफ लगाने का उल्लेख किया, जो अंततः उल्टा पड़ सकता है क्योंकि इससे अमेरिका में दवा की लागत बढ़ जायेगी।

इस बार ट्रम्प का टैरिफ काम नहीं कर रहा है, इसके स्पष्ट संकेत हैं। नवीनतम अमेरिकी आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी में 4 प्रतिशत से फरवरी 2025 में अमेरिका में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.1 प्रतिशत हो गयी। इस वृद्धि का श्रेय व्यापार नीतियों में अनिश्चितता और संघीय सरकार के व्यय में भारी कटौती को दिया जा सकता है।

वॉल स्ट्रीट तब से क्रैश हो गयी है। केनेडा अपने कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस चीन और यूरोपीय संघ को बेचने की उम्मीद कर रहा है, जो मूल रूप से अमेरिका के लिए निर्धारित था। मेक्सिको भी अमेरिकी रिफाइनरियों को भेजे जाने वाले कच्चे तेल की कीमतों पर अंकुश लगाने पर विचार कर रहा है।

डील के विपरीत, केनेडा को यूरोपीय संघ और चीन से दुर्लभ खनिज सामग्री मिलेगी। अमेरिकी टैरिफ नीति अंततः आर्थिक अलगाव की ओर ले जा सकती है और समय के साथ रणनीतिक खतरों के खत्म होने के बाद टैरिफ पर अंतिम विराम भी लग सकता है।

वास्तव में, टैरिफ अमेरिका के लिए कभी काम नहीं किया। आंकड़े दिखाते हैं कि अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रम्प द्वारा प्रमुख टैरिफ घोषणा के बाद भी चीन के साथ अमेरिकी व्यापार घाटा बढ़ता रहा। बराक ओबामा के कार्यकाल (2009-2016) के दौरान हर साल चीन के साथ अमेरिका का औसत व्यापार घाटा 311अरब अमेरिकी डॉलर था। ट्रम्प के पहले कार्यकाल (2017-2020) में यह औसत व्यापार घाटा 361अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया। इसके बाद जब जो बाइडेन राष्ट्रपति बने (2021-2024) तो यह घटकर 327अरब अमेरिकी डॉलर रह गया।

भारत के लिए सबक बहुत स्पष्ट है। देश को ट्रम्प के साथ कड़ी बातचीत करनी होगी। आदर्श रूप से, भारत को ईवी पर भारतीय टैरिफ में एकतरफा कटौती करने या स्टारलिंक को देश में संचालन करने की पूरी छूट देने के बजाय भारत पर लक्षित ट्रम्प के टैरिफ को लागू होने देना चाहिए। अब यह स्पष्ट है

कि ट्रम्प-मस्क की जोड़ी की अगुआई में अमेरिकी वार्ता, भारतीय बाजार में अधिक पहुंच के लिए प्रयास करेगी। हालांकि, यह तभी दिया जाना चाहिए जब भारतीय सेवा निर्यात को अमेरिकी बाजार में अधिक पहुंच मिले।

इस बात के संकेत पहले से ही मिल रहे हैं कि ट्रम्प टैरिफ लगाने की अपनी योजना से पीछे हट रहे हैं, क्योंकि उन्होंने केनेडा के स्टील और धातु आयात पर अमेरिकी टैरिफ को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने के प्रस्ताव को धमकी देने के कुछ ही घंटों बाद रोक दिया है। ट्रम्प बस स्थिति का जायजा ले रहे हैं, और एक सच्चे व्यवसायी के रूप में, अगर वे अपने व्यापारिक साझेदारों को आक्रामक तरीके से जवाब देते हुए देखेंगे तो वे अपना रुख नरम कर लेंगे।

भंवरों को देवी है जीण माता

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान के सीकर-जयपुर मार्ग पर गोरिया के पास जीणमाता गांव में देवी स्वरूपा जीण माता का प्राचीन मंदिर बना हुआ है। जीण माता का वास्तविक नाम जयन्ती माता है। माता दुर्गा की अवतार है। यह मंदिर शक्ति की देवी को समर्पित है। घने जंगल से घिरा हुआ है यह मंदिर तीन छोटी पहाड़ों के संगम पर स्थित है। जीण माता का यह मन्दिर बहुत प्राचीन शक्ति पीठ है। जीण माता का मंदिर दक्षिण मुखी है। लेकिन मंदिर का प्रवेश द्वार पूर्व में है। मंदिर की दीवारों पर तांत्रिकों व वाममार्गियों की मूर्तियां लगी है। जिससे यह भी सिद्ध होता है कि उक्त सिद्धांत के मतावलंबियों का इस मंदिर पर कभी अधिकार रहा है या उनकी यह साधना स्थली रही है।

मंदिर के देवायतन का द्वार सभा मंडप में पश्चिम की ओर है। यहां जीण भगवती की अष्टभुजी आदमकद मूर्ति प्रतिष्ठापित है। सभा मंडप पहाड़ के नीचे है। मंदिर में ही एक और मंदिर है जिसे गुफा कहा जाता है। जहां जगदेव पंवार का पीतल का सिर और कंकाली माता की मूर्ति है। मंदिर के पश्चिम में महात्मा का तप स्थान है जो धुणा के नाम से प्रसिद्ध है। लोगों का मानना है कि यह मंदिर एक हजार साल पुराना है। लेकिन कई इतिहासकार आठवीं सदी में जीण माता मंदिर का निर्माण काल मानते हैं। मंदिर में अलग-अलग आठ शिलालेख लगे हैं जो मंदिर की प्राचीनतम के सबल प्रमाण है। उपरोक्त शिलालेखों में सबसे पुराना शिलालेख संवत 1029 का है। जिस पर उसमें मंदिर के निर्माण का समय नहीं लिखा गया है। इसलिए यह मंदिर उससे भी अधिक प्राचीन है। चैहान चन्द्रिका नामक पुस्तक में इस मंदिर का 9 वीं शताब्दी से पूर्व के आधार मिलते हैं।

एक जनश्रुति के अनुसार देवी जीण माता ने सबसे बड़ा चमत्कार मुगल बादशाह औरंगजेब को दिखाया था। औरंगजेब ने शेखावाटी के मंदिरों को तोड़ने के लिए एक विशाल सेना भेजी थी। यह सेना हर्ष पर्वत पर शिव व हर्षनाथ भैरव का मंदिर खंडित कर जीण मंदिर को खंडित करने आगे बढ़ी तो कहते है कि मन्दिर के पुजारियों के आर्त स्वर में मां से विनय करने पर मां जीण ने भंवरे (बड़ी मधुमखियां) छोड़ दी जिनके आक्रमण से औरंगजेब की शाही सेना लहूलुहान हो भाग खड़ी हुई। कहते है स्वयं बादशाह की हालत बहुत गंभीर हो गई। तब बादशाह ने हाथ जोड़ कर मां जीण से क्षमा याचना कर मां के मंदिर में अखंड दीप के लिए दिल्ली से सवामण तेल भेजने का वचन दिया। कई वर्षो तक माता के मन्दिर में दीपक के लिये दिल्ली से तेल आता रहा फिर दिल्ली के बजाय जयपुर से आने लगा। बाद में जयपुर महाराजा ने इस तेल को मासिक के बजाय वर्ष में दो बार नवरात्रों के समय भिजवाना आरम्भ कर दिया। और महाराजा मान सिंह जी के समय तेल के स्थान पर नगद 20 रु. 3 आने प्रतिमाह कर दिए। जो निरंतर प्राप्त होते रहे। औरंगजेब को चमत्कार दिखाने के बाद जीण माता भंवरों की देवी भी कही जाने लगी।

हमारे देश में दुर्गा मां को शक्ति की देवी के रूप में पूजा जाता है। दुर्गा मां के कई रूप और अवतार हैं। पूरे भारत में नवरात्रा के अवसर पर माता के मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ती है। आस्था से भरे इस देश में माता का स्थान सबसे ऊपर है। जीण माता देवी शक्ति है जो सदियों से लेकर आज तक लगातार आराध्य देवी के रूप में पूजी जाती हैं। जीण माता मंदिर में हर वर्ष चैत्र सुदी एकम् से नवमी (नवरात्रा में) व आसोज सुदी एकम से नवमी में दो विशाल मेले लगते हैं। जिनमे देश भर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते है। जीणमाता मेले के अवसर पर राजस्थान के बाह्य अंचल से भी अनेक लोग आते हैं। मन्दिर में बारह मास अखण्डदीप जलता रहता है। हर मंदिर के कपाट चंद्र ग्रहण के दौरान बंद रहते हैं। इसका कारण यह है कि चंद्र ग्रहण के दौरान नकारात्मक शक्तियां बढ़ जाती हैं और सकारात्मक शक्तियां कमजोर पड़ जाती हैं। इसलिए मान्यता है कि अगर मंदिर के कपाट खुले रखेंगे तो मंदिर में बुरी शक्तियों का वास होगा। लेकिन शक्तिपीठ जीण माता मंदिर के कपाट हमेशा खुले रहते हैं। इस मंदिर के कपाट कभी भी बंद नहीं होते हैं। राजस्थान का यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां 24 घंटे भक्त मां जीण भवानी के दर्शन करते हैं।

लोक कथाओं के अनुसार जीण माता का जन्म अवतार राजस्थान के चूरू जिले के घांघू गांव के अधिपति एक चौहान वंश के राजा घंघ के घर में हुआ था। जीण माता के बड़े भाई का नाम हर्ष था। माता जीण को शक्ति का अवतार माना गया है और हर्ष को भगवान शिव का अवतार माना गया है। कहते हैं कि दोनों बहन भाइयों में बहुत स्नेह था। लेकिन किसी बात पर दोनों मनमुटाव हो गया। तब जीण माता यहां आकर तपस्या करने लगी। पीछे-पीछे हर्षनाथ भी अपनी लाडली बहन को मनाने के लिए आए। लेकिन जीण माता जिद कर साथ जाने से मना कर दिया। हर्षनाथ का मन बहुत उदास हो गया और वे भी वहां से कुछ दूर जाकर तपस्या करने लगे। दोनों भाई बहन के बीच हुई बातचीत का सुलभ वर्णन आज भी राजस्थान के लोक गीतों में मिलता है। भगवन हर्षनाथ का भव्य मन्दिर आज भी राजस्थान की अरावली पर्वतमाला में स्थित है। जीण भवानी की सुबह चार बजे मंगला आरती होती है। आठ बजे श्रृंगार के बाद आरती होती है व सायं सात बजे आरती होती है। दोनों आरतियों के बाद भोग (चावल) का वितरण होता है। माता के मन्दिर में प्रत्येक दिन आरती समयानुसार होती है। चन्द्रग्रहण और सूर्य ग्रहण के समय भी आरती अपने समय पर होती है। हर महीने शुक्ल पक्ष की अष्टमी को विशेष आरती व प्रसाद का वितरण होता है। माता के मन्दिर के गर्भ गृह के द्वार (दरवाजे) 24 घंटे खुले रहते हैं। केवल श्रृंगार के समय पर्दा लगाया जाता है। हर वर्ष शरद पूर्णिमा को मन्दिर में विशेष उत्सव मनाया जाता है। जीणमाता मंदिर से काजल शिखर की 300 फीट ऊंचाई पर है।

नवविवाहिता की हत्या का खुलासा शव बोरे में छुपा कर फेंका

- ससुराली फरार, सात पर मुकदमा दर्ज
- शव की खोजबीन जारी

अखंड भारत संदेश

जैनब की फाइल फोटो

गोताखोरों व एसडीआरएफ के साथ खोजबीन में लगी पुलिस

राजापुर/चित्रकूट। राजापुर थानांतर्गत ग्राम पंचायत रायपुर में एक युवक ने अपनी नवविवाहिता पत्नी की हत्या करके जुर्म को छिपाने के उद्देश्य से शव को बोरे में भरकर फेंक देने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और गायब बेटी के पिता ने राजापुर थाने में तहरीर देकर 7 लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया है। तहरीर के आधार पर थानाध्यक्ष ने एसडीआरएफ की टीम को बुलाकर यमुना नदी में शव की खोजबीन की जा रही है।

घटना की खबर पर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह घटना की बारीकी से जाँच पड़ताल कर रहे हैं। गायब महिला जैनब (20वर्ष) के पिता शाहबे आलम निवासी अटाला प्रयागराज ने राजापुर थाना में तहरीर देकर बताया कि पुत्री जैनब की शादी लगभग 10माह पूर्व रायपुर निवासी कल्लू खान के पुत्र साहिल खान से किया था और 29 मार्च को बेटी ने अपनी माँ से ईद मुबारक व ईदी माँगने की बात कही थी। दूसरे दिन 30 मार्च को ईदी देने के लिए फोन लगाया गया तो पुत्री का मोबाइल स्विच ऑफ बताने लगा लेकिन अगले दिन ईद होने के कारण 30 मार्च को ही चाचा के लड़के अरमान पुत्र बच्चा के माध्यम से दहेज के कुछ रुपए भेजे थे। तभी अरमान ने वाहिद के फोन पर घटना की सूचना दी थी। तब मैं अपने परिवार के साथ ग्राम रायपुर आकर पहुँचकर साहिल के घर पहुंचा तो देखा कि घर मे ताला बंद है और पूरे ससुराली परिजन फरार हो गए है। पड़ोसियों से घटना की जानकारी ले ही रहा था कि पुत्री जैनब की सास ने आकर मुझे बताया कि तुम्हारी पुत्री रात में घर छोडकर चली गई है और घर के सभी परिजन जैनब की खोजबीन कर रहे हैं। मेरे द्वारा ससुराली परिजनों को फोन किया गया और सभी का फोन स्विच ऑफ बता रहा था। तब मैं अपने परिजनों के साथ बेटी की खोजबीन करता रहा। पूर्ण जानकारी होने के बाद 2 अप्रैल को पति साहिल, ससुर कल्लू खान, देवर राहुल व समीर तथा सास सहित दो ननदों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करा दिया गया है। वहीं पति ने कहा है कि जैनब ने आत्महत्या की है।

थानाध्यक्ष प्रवीण सिंह का कहना है कि वादी शाहबे आलम उर्फ मुन्ना की दी गई तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर 2 अप्रैल से ही क्षेत्रीय गोताखोरों व एसडीआरएफ के द्वारा शव की खोजबीन कराई जा रही है। एसडीआरएफ के साथ क्षेत्राधिकारी जयकरन सिंह, क्षेत्राधिकारी अतिरिक्त फहद अली, थानाध्यक्ष राजापुर भारी पुलिस बल के साथ खोजबीन की जा रही है।

कर्वी बस स्टेशन पर एसडीएम की कार्रवाई से मचा बवाल

- अफसरशाही पर उठे सवाल
- श्रद्धालुओं व व्यापारियों में आक्रोश
- आमजन मानस की उपेक्षा

चित्रकूट। कर्वी बस स्टेशन को हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई ने आज जनपद में विवाद की चिंगारी भड़का दी। एसडीएम सदर ने अचानक नगर पालिका की मदद से अस्थायी बस अड्डे को जबरन खाली कराते हुए रोडवेज बसों को स्टैण्ड से बाहर कर दिया गया। इस कार्रवाई से न सिर्फ रोडवेज अधिकारी भौचक्के रह गए, बल्कि व्यापारियों और श्रद्धालुओं में भी रोष फैल गया। बताया गया कि रोडवेज विभाग नगर पालिका को नियमित रूप से किराया अदा करता आ रहा था, और एआरएम ने मौके पर परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक का पत्र भी प्रस्तुत किया। बावजूद इसके, बसों को सड़क किनारे खड़ा करने की जबरन व्यवस्था की गई।

इस कदम से स्पष्ट होता है कि प्रशासनिक निर्णय बिना जनहित को समझे लिए जा रहे हैं। कर्वी, जो न केवल जनपद मुख्यालय है बल्कि धार्मिक व व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र भी है, वहां से बस स्टेशन हटाना सीधे-सीधे आम जनता को असुविधा में धकेलने जैसा है। श्रद्धालुओं को अब बेड़ीपुलिया स्थित सुनसान बस अड्डे तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त समय, धन और श्रम खर्च करना होगा। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि क्या प्रशासन वाकई जनहित में कार्य कर रहा है या फिर ये कोई और एजेंडा है?

कार्रवाई या वित्तीय नजराना?

कर्वी बस स्टेशन को हटाने की कार्रवाई में एसडीएम की अति सक्रियता ने पूरे जनपद में प्रशासनिक कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं। जब आम जनता अपने मुद्दों को लेकर अधिकारियों से समय मांगती है, तो अक्सर जवाब मिलता है व्यस्त हैं। लेकिन जब बात अफसरशाही की मनचाही कार्रवाई की आती है, तो वही अधिकारी अचानक इतनी तत्परता दिखाते हैं कि बस कुछ घंटों में ही बस स्टेशन खाली करा दिया जाता है, वो भी बिना जनता की बात सुने। वहीं लोग दबे शब्दों में यह कहने से गुरेज नही कर रहे कि कहीं यह मिलीभगत और बडे वित्तीय गेम का नजराना तो नही है ?

न्यूज झरोखा

हत्या के इरादे से हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार, कुल्हाड़ी बरामद

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देश में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में थाना मऊ पुलिस ने हत्या के इरादे से हमला करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह घटना 24 मार्च 2025 की है, जब श्रीमती प्रेमा देवी ने थाना मऊ में सूचना दी कि उनके ससुर सूरजभान और सास यशोदिया पर विजय पुत्र गुलाबचन्द्र ने घर में घुसकर कुल्हाड़ी से हमला किया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके सिर में चोट आई, जिससे वे बेहोश हो गए। इस संबंध में पुलिस ने आरोपी विजय के खिलाफ उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था।

आज, 4 अप्रैल को थाना मऊ पुलिस ने अपराधी विजय को धवाड़ा चौराहा के पास गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी को रोड किनारे झाड़ियों में छिपा दिया था। पुलिस ने आरोपी के साथ जाकर झाड़ियों से कुल्हाड़ी बरामद की। गिरफ्तार अभियुक्त विजय गुलाबचन्द्र, ग्राम चकौर थाना मऊ का निवासी है। घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी को बरामद करने के बाद, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की तैयारी की है। गिरफ्तार करने वाली टीम में दारोगा अनूप कुमार शुक्ला, हरीशंकर राम व सिपाही प्रवीण पाण्डेय शामिल थे।

पानी के संकट से निपटने को पेयजल कंट्रोल रूम स्थापित

चित्रकूट। भीषण गर्मी के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली पेयजल समस्याओं से समय पर निपटने को उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) ने कमर कस ली है। अधिशासी अभियंता आशीष कुमार भारती ने बताया कि राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन लखनऊ के आदेशों के अनुपालन में जिले में पेयजल कंट्रोल रूम की स्थापना कर दी गई है।

कंट्रोल रूम के संचालन को विभिन्न विकास खंडों के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। कर्वी एवं पहाड़ी विकास खंडों के लिए शोभित गुप्ता (सहायक अभियंता) और जय नारायण तिवारी (जेई) को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि मानिकपुर, मऊ और रामनगर के लिए गुलाम सिबतैन (सहायक अभियंता) व नित्यानंद गुप्ता (जेई) को नोडल अधिकारी बनाया गया है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि समस्याओं का विवरण एक रजिस्टर में दर्ज करते हुए त्वरित कार्यवाही करें। आशीष कुमार ने बताया कि राज्य स्तर से प्राप्त निदेशों पर जिले में गर्मियों में पेयजल संकट से निपटने के लिए प्रशासनिक मशीनरी को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रखा गया है। ग्राम पंचायतों, विकास खंडों और तहसीलों को कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा ताकि कहीं भी पेयजल संकट उत्पन्न हो, तो समयबद्ध और प्रभावी समाधान किया जा सके। साथ ही, जिले के सभी सरकारी एवं सार्वजनिक परिसरों जैसे कलेक्ट्रेट, तहसील, अस्पताल, थाना में प्याऊ, घड़े और चरही की व्यवस्था के निर्देश जारी किए हैं। राज्य स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम के फोन नंबर 0522-2239426 पर आम नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।

गेहूं की फसल खाक, मुआवजा की मांग

मानिकपुर/चित्रकूट। तहसील के अंतर्गत नागर गांव में शुक्रवार को खेतों में अचानक लगी आग ने दो किसानों की पूरी गेहूं की फसल को राख कर दिया। इस दर्दनाक हादसे में किसान शंकर प्रसाद पांडे की तीन बीघा और किसान सिलता देवी की एक बीघा फसल जलकर नष्ट हो गई। तेज हवाओं के चलते आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते चार बीघा में खड़ी फसल को निगल गई। शंकर प्रसाद को अपनी तीन बीघा जमीन से लगभग 25 कुंतल गेहूं की उपज की उम्मीद थी, जबकि सिलता देवी की एक बीघा खेत से लगभग 8 कुंतल गेहूं मिलने की संभावना थी। ग्रामीणों ने जब खेतों से धुआं उठता देखा तो तुरंत बाल्टी, पाइप और टैंकर लेकर मौके पर पहुंचे। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया। हालांकि, फायर ब्रिगेड की टीम एक घंटे बाद मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक फसल पूरी तरह जल चुकी थी। ग्रामीणों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। एसडीएम मानिकपुर ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में है और उन्होंने लेखपाल को मौके पर जाने के निर्देश दिए हैं। आग लगने के कारण की अभी पुष्टि नहीं हो सकी है। इधर ग्रामीणों ने शासन से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

मध्यस्थता केंद्र में टूटा दो वर्षों का सन्नाटा, पति-पत्नी फिर आए साथ

- सुलह की मिसाल
- लोक अदालत की तैयारी बैठक कल

मध्यस्थता के बाद श्रीमती नीलू मैनवाल के साथ दंपति

चित्रकूट। जहां कोर्ट-कचहरी के चक्कर सालों-साल लोगों को उलझाए रखते हैं, वहीं चित्रकूट के मध्यस्थता केंद्र ने एक बिखरे परिवार को फिर से एक कर मिसाल पेश की है। महिला थाने में जमीला बानो बनाम दीन मोहम्मद प्रकरण में दर्ज एफआईआर के बाद जब मामला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम से सुलह के लिए मध्यस्थता केंद्र भेजा गया, तो उम्मीद की एक नई किरण जगी। यहां मध्यस्थ चुनकूराम पाल ने दो वर्षों से अलग रह रहे पति-पत्नी के बीच संवाद की डोर जोड़ी और अंततः दोनों पक्ष आपसी मतभेद भुलाकर एक साथ जीवन बिताने को राजी हो गए। अपर जिला जज व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती नीलू मैनवाल ने बताया कि दोनों ने आपसी सहमति से सुलहनामा दाखिल किया है। इस मौके पर श्रीमती मैनवाल ने बताया कि 10 मई को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर 5 अप्रैल को प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक होगी, जिसमें लोक अदालत को सफल बनाने के लिए योजनाओं पर चर्चा की जाएगी।

वन विभाग ने अपील के नाम पर जिम्मेदारी से झाड़ा पल्ला

- लगातार लग रही विकराल आग

चित्रकूट। रानीपुर टाइगर रिजर्व के उप निदेशक व प्रभागीय वनाधिकारी प्रत्युष कुमार कटियार ने हाल ही में वनों में आग की सुरक्षा के लिए जनमानस से अपील की है। उनका कहना है कि आग लगने पर ग्रामीणों को आग बुझाने के लिए एकत्रित करना चाहिए और कृषि अपशिष्ट जलाने से पहले सतर्क रहना चाहिए। साथ ही, धूम्रपान करने वालों और सार्वजनिक निर्माण विभाग के श्रमिकों से आग जलाने से बचने की अपील की गई है। हालांकि, यह सभी अपीलें और सुझाव जनता के लिए, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या वनों की सुरक्षा केवल आम जनता की जिम्मेदारी बन गई है?

स्थानीय नागरिकों ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि वन विभाग का काम केवल चेतावनी जारी करना नहीं है, बल्कि आग बुझाने में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए। जनता ने तंज कसते हुए कहा कि वन अधिकारी व विभाग जब समस्या होती है तो मिलने से कतराते हैं, ऐसे में ये अपीलें क्या मदद करेंगी? क्या इनका कोई वास्तविक असर होगा या यह केवल कागजों तक ही सीमित रह जाएगां?

स्थानीय लोग चाहते हैं कि वन विभाग के आलाधिकारी एसी से बाहर आकर जंगलों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए, केवल अपीलें न करे। उन्हें सक्रिय टीमों की जरूरत है, जो रियल-टाइम में कार्य करें, स्थानीय ग्रामीणों को फायर वालंटियर के रूप में प्रशिक्षित किया जाए, और विभागीय लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाए। जनता का साफ कहना है कि केवल कागजी कार्यवाही और अपीलें नहीं, वन विभाग को अब कार्रवाई और जिम्मेदारी दिखानी चाहिए।

लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों व अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही तय : जिलाधिकारी

बाँदा। जिलाधिकारी जे0रीभा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विकास खण्ड में संचालित विभिन्न योजनाओं तथा जिला पोषण समिति एवं शिक्षा अनुश्रवन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सीडीपीओ को निर्देश दिए कि जिन आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सुपरवाइजरों द्वारा अपने कार्यों में प्रगति ठीक नहीं की जा रही हैं, उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाए' उन्होंने सभी सुपरवाइजर को निर्देशित किया कि आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण करते हुए पोषण ट्रैकर में आंगनबाड़ी से सभी आवश्यक फीडिंग समय से पूर्ण कराएं अन्यथा उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों को आंगनबाड़ी केंद्रों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम एवं पुताई का कार्य प्रधानों के सहयोग से कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को आंगनवाड़ी के बचे केंद्रों में विद्युतीकरण कराये जाने के निर्देश दिए' जिलाधिकारी ने पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांक 8 अप्रैल, से सभी आंगनबाड़ी केदो में गर्भवती महिलाओं की जांच एवं सैम बच्चों की पहचान किए जाने तथा बच्चों का टीकाकरण आदि के कार्यों के संबंध में रिपोर्ट तैयार करने के साथ जागरूक करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त खंड विकास अधिकारियों को विद्यालयों में टाइल लगाने का कार्य एवं दिव्यांग शौचालय के कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाने तथा चारदीवारी विहीन विद्यालयों में चार दिवारी का निर्माण कराये जाने के निर्देश दिए 'उन्होंने संबंधित विभागों एवं खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने विद्यालयों का समय से निरीक्षण करें तथा निरीक्षण के समय विद्यालय में पेयजल की उपलब्धता एवं छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकों की समय से उपस्थिति सुनिश्चित कराये जाने के साथ विद्यालय में छात्र को नियमित रूप से निर्धारित ड्रेस में आने तथा सभी बच्चों की उपस्थित समय से ली जाए' उन्होंने कक्षा 4 से 8 तक के छात्र-छात्राओं को शीघ्र पुस्तकों का वितरण कराया जाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए की प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे का कार्य तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए।उन्होंने एनआरएलएम के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूह को सीसीएल बैंकों से कराए जाने हेतु प्रत्येक सप्ताह बीएमएम के कार्य की समीक्षा करते हुए समूहों को स्वीकृत किए जाने तथा नए समूह का गठन कराये जाने के निर्देश दिए' जिलाधिकारी ने वृक्षारोपण हेतु स्थान चिन्हित किए जाने तथा मनरेगा के अंतर्गत तालाब खुदाई, मेडबंदी एवं अन्य कार्यों को शीघ्र कराए जाने हेतु कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने हीट वेव के दृष्टिगत निर्माण कार्यों को अभी से ही शीघ्र शुरू करते हुए कार्य को पूर्ण कराया जाने के निर्देश दिए 'उन्होंने फैमिली आईडी बनाए जाने के कार्य में भी प्रगति लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देशित किया कि जिन पंचायत सहायकों के द्वारा कार्य में रुचि नहीं ली जा रही है, उनके विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी वेद प्रकाश मौर्य, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए, डीसी मनरेगा एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

तेज आंधी और पानी से उखड़ कर गिरा पेड़ कई बकरियो की दबकर हुई मौत

बांदा। जनपद के कई गांवों में आज अचानक तेज आंधी व बारिश हुई जिससे काफी घर गिरे हैं। कुदरत के कहर के आगे सब कुछ बेबस नजर आता है इसी के तहत आज सुबह अचानक तेज आंधी और पानी आने से मकान के अंदर बने पेड़ जड़ से उखड़ कर गिर गया जिसमें लगभग 3, बकरियां दब गई और बकरियों की मौत हो गई वहीं एक भैंस भी दब गई है । जनपद के तिंदवारी थाना क्षेत्र के महेदु गांव से मामला सामने आया हुआ है जहां पर आज सुबह अचानक तेज आंधी और पानी आ जाने से मकान के अंदर लगा हुआ पेड़ अचानक उखड़ कर गिर गया जिससे पेड़ के गिर जाने से मकान के अंदर बैठी लगभग 3 बकरियां दब गई और बकरियों की मौत हो गई वहीं पेड़ की चपेट में एक भैंस भी आ गई है। वहीं गृह स्वामी के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया है कि अचानक सुबह तेज आंधी और पानी आया हुआ है जिससे पेड़ उखड़ कर गिर गया है और बकरियां भी दबकर मर गई हैं। गृहस्वामी के अनुसार लगभग 50 हजार रुपए से अधिक का नुकसान हो गया है।

देसी शराब की बिक्री नियमो की उडाई जा रही धज्जियां

बांदा। कमासिन कस्बे के चौराहे से 300 मीटर दूर कमासिन ओरन रोड के किनारे नव वर्ष में संचालित देसी शराब की दुकान निर्धारित समय से पूर्व ही खुली पाई गई इस संदर्भ में जिला आबकारी अधिकारी को शिकायत की गई शिकायतकर्ता संतोष त्रिपाठी ने देसी शराब कमासिन की जिले के लाइसेंस धारक धरम वीर सिंह को निर्धारित समय से खुलवाने और बंद करने की माँग की गई है सरकार के आदेशों की अवहेलना करते हुए अनुज्ञापी द्वारा प्रातः 7:00 बजे से दुकान खोलकर ओवर रेट पर शराब बेचवाई जा रही है जिसकी बिक्री की तुरंत जांच की मांग करते हुए कठोर कार्रवाई की अपेक्षा की है। वही स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि रिहायसी बस्ती के पास में शराब की दुकान होने से आए दिन विवाद उत्पन्न होता है और सुबह से ही शराब पीकर रोज एक दूसरे से गाली लोग गालौज करते हैं।

कंपोजिट विद्यालय बैहार में शारदा संगोष्ठी व वार्षिकोत्सव का आयोजन

- प्रधानाध्यापक लाल सिंह को भावभीनी विदाई

अखंड भारत संदेश

लाल सिंह की विदाई देते शिक्षकगण

चित्रकूट। कंपोजिट विद्यालय बैहार में शारदा संगोष्ठी व विद्यालय के वार्षिकोत्सव ने पूरे क्षेत्र में शिक्षा के महत्व और विकास को लेकर एक नया उत्साह पैदा किया। इस विशेष मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक लाल सिंह को सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई दी गई, साथ ही विद्यालय के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शशांक शेखर शुक्ला, विशिष्ट अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी अतुल दत्त तिवारी और पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष विजय कुमार पांडेय थे। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई, जिसके बाद शिक्षा के महत्व पर चर्चा हुई।

मुख्य अतिथि शशांक शेखर शुक्ला ने कहा कि सरकारी सेवा में आने के बाद एक दिन सेवानिवृत्त होना ही होता ह। लेकिन कुछ लोग अपनी कड़ी मेहनत और लगन के कारण हमेशा याद किए जाते हैं। लाल सिंह कर्मठ शिक्षक रहे हैं, जिन्होंने अपनी कार्यकुशलता के जरिए विद्यालय और यहां के बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाई। खंड शिक्षा अधिकारी अतुल दत्त तिवारी ने कहा कि किसी भी कार्य को सफलता से संपन्न करने में टीम भावना का बड़ा योगदान होता है। लाल सिंह ने इस विद्यालय के विकास में सभी शिक्षकों को साथ लेकर कार्य किया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ ने प्रधानाध्यापक लाल सिंह को सेवानिवृत्त होने पर ससम्मान विदाई दी। फूल मालाओं से उनका स्वागत किया गया और उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। विदाई समारोह में कवि शिवपूजन यादव सुमन ने भावपूर्ण विदाई गीत प्रस्तुत किया, जो सभी के दिलों को छू गया। जिला अध्यक्ष विजय कुमार पांडेय ने कहा कि हम सभी को अपने कर्तव्यों पर विशेष ध्यान देना चाहिए, क्योंकि जो व्यक्ति अपनी मेहनत से कार्य करता है, वही सम्मान प्राप्त करता है। इस मौके पर ग्राम प्रधान फुलमतिया देवी, संयोजक बृज गोपाल मिश्रा, व्यवस्थापक गोविंद सिंह सेंगर, सभासद शंकर यादव, पत्रकार बीपी सिंह पटेल, कानूनगो लवलेश सिंह पटेल, दयाशंकर सिंह और विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं तथा अभिभावक मौजूद थे।

30 तक कराएं ई-केवाईसी

चित्रकूट। जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार सिंह ने राशन कार्डधारकों को एक महत्वपूर्ण सूचना दी है। बताया कि शासन से प्राप्त निर्देश के अनुसार, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत आच्छादित समस्त राशन कार्डधारक 30 अप्रैल तक अपने राशनकार्ड से संबंधित सभी सदस्यों की ई-केवाईसी अपने उचित दर विक्रेता की दुकान पर जाकर करवा लें। यह अंतिम तिथि है, व यदि कोई कार्डधारक इस तिथि तक ई-केवाईसी नहीं कराता है, तो उसकी राशन यूनिट डिलीट कर दी जाएगी।

न्यायालय ने आरोपी को दी सजा

चित्रकूट। सिविल जज की अदालत ने शुक्रवार को लापरवाही से वाहन चलाकर गाय को टक्कर मारने के आरोपी अरमान पुत्र वहीद को न्यायालय उठने तक की सजा और 4500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। यह मामला थाना कोतवाली कर्वी में पंजीकृत था। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देश में चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत कोतवाल उपेन्द्र प्रताप सिंह और अभियोजन अधिकारी ने मामले की गहन पैरवी की, जिससे न्यायालय ने आरोपी को सजा दिलाई।

बांदा की बेटी आगरा हॉस्टल में करेगी कबड्डी का अभ्यास

- आफरीन के विदाई समारोह में सभी की हुई आँखें नम

बाँदा। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश खेल भवन लखनऊ के निर्देशन केंद्रीय प्रशिक्षण शिविर के तत्वाधान में आयोजित 12 वर्ष से 15 तक के बालक/बालिका कब्बड्डी खिलाड़ियों का 15 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 5 अप्रैल से 20 अप्रैल तक छात्रावास अमेठी में होगा।

जिसमें बुंदेलखंड चित्रकूटधाम मंडल बांदा स्टेडियम से आफरीन का चयन हुआ है। आफरीन अमेठी प्रशिक्षण के बाद आगरा हॉस्टल में अभ्यास करेगी। बुंदेलखंड, चित्रकूटधाम मंडल जनपद बांदा के लिए बहुत ही गौरव की बात है। इस प्रशिक्षण के बाद आफरीन को आगरा हॉस्टल में रहने का मौका मिलेगा। बांदा कब्बड्डी एसोसिएशन के सचिव कमल यादव जो की कब्बड्डी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देते हैं जानकारी देते ही बताया कि आफरीन 9 वर्ष की आयु से कब्बड्डी खेल रही है । उसने अपना खेल का हुनर दिखाते हुए इस मुकाम को हासिल किया है। सभी जनपद वासियों और कबड्डी खिलाड़ियों खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। विदाई समारोह में बांदा कबड्डी एसोशिएशन के सचिव कमल सिंह यादव, बांदा कब्बड्डी एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी सुनील सक्सेना, ज्ञान चंद्र शुक्ला, अंकित कुशवाहा,प्रवीण पांडेय, हॉकी कोच फरजाना जी ने मल्यार्पण, शाल, ट्रैक शूट किट, एवं मुंह मीठा कर कर भावभीनी विदाई दी। इस विदाई समारोह में बांदा कब्बड्डी स्टेडियम खिलाड़ी समेत स्टाफ मौजूद रहा।

हिंदुओं पर हमले बर्दाश्त नहीं, माहौल को खराब करने वाली बयानबाजी से बचें

बांग्लादेश
हम आपको बता दें कि बांग्लादेश बिम्सटेक समूह का आगामी अध्यक्ष है। पिछले साल अगस्त में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के कारण अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ देने के बाद भारत-बांग्लादेश संबंधों में खटास आ गयी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आखिरकार बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से द्विपक्षीय मुलाकात कर ली लेकिन भारत और बांग्लादेश के संबंधों में तनाव बरकरार है। हम आपको बता दें कि पिछले साल अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटने के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात है। दोनों नेताओं ने बहु-क्षेत्रीय और तकनीकी सहयोग के लिए बिम्सटेक समूह के नेताओं की शिखर बैठक से इतर यह मुलाकात की। बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद थे। इस मुलाकात के बारे में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन को दोहराया है। मिसरी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने मुहम्मद यूनुस के साथ चर्चा के दौरान बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की भारत की इच्छा को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने यह भी आग्रह किया कि माहौल को खराब करने वाली किसी भी बयानबाजी से बचना चाहिए। उन्होंने सीमा पर कानून का सख्त पालन करने और अवैध सीमा पार करने की घटनाओं की रोकथाम के लिए सीमा सुरक्षा को सख्त बनाने पर भी बल दिया। साथ ही प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर भारत की चिंताओं को भी रेखांकित किया। हम आपको बता दें कि बांग्लादेश बिम्सटेक समूह का आगामी अध्यक्ष है। पिछले साल अगस्त में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के

कारण अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ देने के बाद भारत-बांग्लादेश संबंधों में खटास आ गयी थी। यह खटास तब और बढ़ गयी थी जब पिछले सप्ताह चीन की यात्रा के दौरान यूनुस ने बीजिंग से बांग्लादेश में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाने को कहा और विवादास्पद रूप से इस बात का उल्लेख किया था कि इस संबंध में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों का चारों ओर जमीन से घिरा होना एक अवसर साबित हो सकता है। हम आपको याद दिला दें कि यूनुस ने कहा था, ह्यह्यभारत के सात पूर्वोत्तर राज्य चारों ओर से जमीन से घिरे क्षेत्र हैं। उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। बांग्लादेश को इस क्षेत्र में महासागर का एकमात्र संरक्षक बताते हुए यूनुस ने कहा था कि यह एक बड़ा अवसर हो सकता है और चीनी अर्थव्यवस्था का विस्तार किया जा सकता है। भारत ने इस टिप्पणी की निंदा की थी और बांग्लादेश के अधिकारियों ने यूनुस के बयान पर स्पष्टीकरण जारी किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालांकि यूनुस के बयान पर कोई सीधी टिप्पणी तो नहीं की थी लेकिन बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए थाईलैंड रवाना होने से पहले जारी किये गये अपने बयान में बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार को जवाब देते हुए कहा था कि अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र बिम्सटेक के केंद्र में स्थित है। उन्होंने अपने बयान में पूर्वोत्तर राज्यों की प्रधानता को रेखांकित किया था।

तबाही मचा देंगे... भारत के इस प्रोजेक्ट के लिए अमेरिका से सीधे भिड़ने को तैयार हुआ रूस?

ईरान
भारत ने करोड़ों रुपये खर्च कर ईरान में चाबहार पोर्ट का निर्माण करवाया है। अगर अमेरिका हमला करता है तो उसका निशाना चाबहार पोर्ट भी हो सकता है। ऐसे में भारत का एक बड़ा निवेश डूब सकता है। ऐसे में अब भारत का पक्का दोस्त रूस अब खुलकर ईरान के सपोर्ट में उतर आया है।
डोनाल्ड ट्रंप की ईरान नीति महायुद्ध की घंटी बजाती नजर आ रही है। अमेरिका और ईरान के बीच टेंशन और भी ज्यादा बढ़ गई है। अमेरिका की तरफ से ईरान पर हमले की तैयारी की जा रही है। अमेरिकी स्टेल्थ बी टू बॉम्बर हमले के लिए तैयार हैं। द सन की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लादेन को दफनाने वाला वॉर शिप भेजा गया है। यूएसएस कार्ल विल्सन को फारस की खाड़ी में

भेजा गया है। यूएसएस कार्ल विल्सन अमेरिका के बड़े मिशन में शामिल रहा है। 35 का एक और स्कावड्रन मीडिल ईस्ट में तैनात कर दिया गया है। ऐसा लग रहा है जैसे मानो ईरान विनाश की अमेरिका ने शपथ सी ले ली हो। इसके अलावा इजरायल की सेना भी ईरान पर हमले की पूरी तैयारी कर चुकी है। विध्वंसक हथियारों से ईरान की घेराबंदी की जा रही है। ईरान के खिलाफ सख्त प्रतिबंध की धमकी दी गई है।
ईरान से संचालित हूती विद्रोहियों पर विध्वंसक हमले किए गए हैं। वजह सीधा सा है कि ईरान पर परमाणु समझौते के लिए दबाव बनाना। मीडिल ईस्ट में ईरान को अलग थलग करने की अमेरिका की रणनीति है।

भारत और थाईलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमत

बैंकॉक। भारत और थाईलैंड ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और थाईलैंड की पीएम पैतोंगतार्न शिनावात्रा के बीच व्यापक चर्चा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमति जताई।
दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा की। बाद में कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।
भारत-थाईलैंड सामरिक साझेदारी की स्थापना पर संयुक्त घोषणा के अलावा, डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता हुआ। इस संबंध में थाईलैंड के डिजिटल अर्थव्यवस्था और समाज मंत्रालय तथा भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।
भारत के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के सागरमाला डिविजन तथा थाईलैंड के ललित कला विभाग, संस्कृति मंत्रालय के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर

किए गए। यह समझौता गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी) के विकास को लेकर है।
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत के राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआईसी) और थाईलैंड के लघु और मध्यम उद्यम संवर्धन कार्यालय (ओएसएमईपी) के बीच एक अन्य एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।
अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और थाईलैंड की 'एक्ट वेस्ट' नीति एक-दूसरे की पूरक हैं और कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के अवसर खोलती हैं।
प्रधानमंत्री मोदी ने थाई पीएम के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा, "हमने थाईलैंड और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बीच पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर जोर दिया। हमने बढ़ते आपसी व्यापार, निवेश और व्यापारिक आदान-प्रदान पर चर्चा की। एमएसएमई, हथकरघा और हस्तशिल्प के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भी समझौते किए गए।"
प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "हमने नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल टेक्नोलॉजी, ई-व्हीकल, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और स्टार्ट-अप में सहयोग को मजबूत करने का निर्णय लिया। भौतिक संपर्क बढ़ाने के अलावा, दोनों देश फिनटेक संपर्क को बढ़ावा देने के लिए भी काम करेंगे।"

थाईवान के नागरिकों की सुरक्षा के लिए उपाय आवश्यक हैं : चीनी प्रवक्ता

बीजिंग। चीनी राज्य परिषद के थाईवान कार्यालय की प्रवक्ता ज्वू फेंगलियान ने एक सवाल के जवाब में कहा कि चीनी जन मुक्ति सेना यानी पीएलए ने थाईवान द्वीप के आसपास संयुक्त अभ्यास किया और थाईवान जलडमरूमध्य के मध्य और दक्षिणी भागों में प्रासंगिक जल में "स्ट्रेट थंडर-2025ए" अभ्यास का आयोजन किया।
यह राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की रक्षा के लिए एक आवश्यक उपाय है और देश को विभाजित करने का प्रयास करने वालों को दंडित करना न्यायोचित कार्य है। यह थाईवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता तथा थाईवान के नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण के लिए एक दृढ़ सुरक्षा उपाय है। प्रवक्ता ज्वू फेंगलियान ने कहा कि दुनिया

में केवल एक चीन है और थाईवान चीन का एक हिस्सा है। यह थाईवान जलडमरूमध्य की वास्तविक यथास्थिति है। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के अधिकारी "थाईवान स्वतंत्रता" के भ्रम को बढ़ावा दे रहे हैं, लगातार "स्वतंत्रता" के लिए उकसावे की कोशिश कर रहे हैं और इस यथास्थिति को बदलने की कोशिश कर रहे हैं कि थाईवान जलडमरूमध्य के दोनों किनारे एक चीन के हैं। इससे थाईवान जलडमरूमध्य की शांति और स्थिरता को गंभीर नुकसान पहुंचा है तथा थाईवान के नागरिकों के हितों और कल्याण को गंभीर क्षति पहुंची है। यदि इसे विकसित होने दिया गया तो यह हमारे थाईवान के देशवासियों को युद्ध की खतरनाक स्थिति में धकेल देगा। हमें दृढ़तापूर्वक इसका दमन करना होगा और इसे दंडित करना होगा।
प्रवक्ता ज्वू फेंगलियान ने यह भी कहा कि थाईवान का मुद्दा पूरी तरह से चीन का आंतरिक मामला है और वह किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं करता है। अमेरिका को एक-चीन सिद्धांत और तीन चीन-अमेरिका संयुक्त विज्ञप्तियों के प्रावधानों का पालन करना चाहिए।

अमेरिका से...ट्रंप के टैरिफ का भारत देगा ताबड़तोड़ जवाब

अमेरिका
भारत अमेरिका पर 52% तक टैरिफ लगाता है, इसलिए अमेरिका भारत पर 27% टैरिफ लगाएगा। खैर ट्रंप ने भारत के साथ साथ कई और देशों पर भी टैरिफ लगाया है। इनमें चीन, कनाडा, मैक्सिको, पाकिस्तान जैसे कई देश शामिल हैं। टैरिफ एक ऐसा मुद्दा है जिसे लेकर काफी वक्त से अमेरिका सभी देशों को धमका रहा था। इसके लागू होने से न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त हो जाएगी, बल्कि लाखों-करोड़ों का नुकसान भी होगा।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के तमाम देश के लिए टैरिफ का ऐलान कर दिया। ट्रंप ने इसे डिस्काउंटेड रेसिप्रोकल टैरिफ का नाम दिया है। बड़ी बात ये है कि भारत से अच्छी दोस्ती के बावजूद 27 प्रतिशत टैरिफ अमेरिका ने लगाया है। ट्रंप ने कहा कि पीएम मोदी उनके अच्छे दोस्त है। ट्रंप ने भारत पर रिसिप्रोकल टैरिफ का ऐलान करते हुए कहा कि भारत बड़ा टफ देश है। वहां के लोग और सरकार काफी अच्छे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके काफी अच्छे मित्र भी हैं। बावजूद इसके वह अमेरिका प्रोडक्ट पर 52% का टैरिफ लगाते हैं। भारत अमेरिका पर 52% तक टैरिफ लगाता है, इसलिए अमेरिका भारत पर 27% टैरिफ लगाएगा। खैर ट्रंप ने भारत के साथ साथ कई और देशों पर भी टैरिफ लगाया है। इनमें चीन, कनाडा, मैक्सिको, पाकिस्तान जैसे कई देश शामिल हैं। टैरिफ एक ऐसा मुद्दा है जिसे लेकर काफी वक्त से अमेरिका सभी देशों को धमका रहा था।

थाइलैंड में चीन पर भड़क कर लाल हुए मोदी, बयान सुनकर हैरान हुई दुनिया

थाइलैंड
थाइलैंड और चीन के रिश्ते सांस्कृतिक या फिर ट्रेड के स्तर पर बेहद ही अच्छे माने जाते हैं। ऐसे में भारत का एकतरफ चीन के विस्तारवाद पर निशाना और दूसरी तरफ थाइलैंड के साथ रक्षा-सुरक्षा व्यापार को बढ़ाना और सहयोग को और मजबूत करने का फैसला चीन को और परेशान करेगा।
बिम्सटेक की बैठक में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थाइलैंड पहुंचे तो यहां इन्होंने थाईलैंड की प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। बैठक के बाद दोनों ही नेताओं की तरफ से साझा बयान भी सामने आ गया। इसी बयान देने के क्रम में पीएम नरेंद्र मोदी ने चीन का बिना नाम लिए हुए थाइलैंड की धरती से चीन पर निशाना साधा। उन्होंने चीन के विस्तारवाद की नीति को सीधे तौर पर चुनौती देते हुए कहा है कि भारत विकासवाद पर यकीन करता है, न कि विस्तारवाद पर। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत ह्यविस्तारवादह्न के बजाय ह्यविकासवादह्न की नीति में विश्वास रखता है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।
यकीनन पीएम मोदी का ये बयान चीन को परेशान करेगा क्योंकि पीएम मोदी ने ये बयान अपने देश में न देकर बिम्सटेक की बैठक से ठीक पहले थाइलैंड की जमीन पर दिया है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक-योल पद से हटाए गए, संवैधानिक न्यायालय ने महाभियोग को मंजूरी दी

सियोल। दक्षिण कोरिया के संवैधानिक न्यायालय ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से राष्ट्रपति यून सुक-योल के महाभियोग को मंजूरी दे दी, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें पद से हटा दिया गया है। यह निर्णय दिसंबर में लगाए गए संक्षिप्त मार्शल लॉ के कारण लिया गया।
कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मून ह्युंग-बे ने बताया कि यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू हो रहा है, जिससे दक्षिण कोरिया को यून के उत्तराधिकारी का चयन करने के लिए 60 दिनों के भीतर राष्ट्रपति चुनाव आयोजित करना आवश्यक हो गया है, जो संभवतः 3 जून को होगा।
यून को पिछले साल दिसंबर के मध्य में विपक्ष-नियंत्रित नेशनल असेंबली द्वारा संविधान और कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप में महाभियोग लगाया गया था। आरोप थे कि उन्होंने 3 दिसंबर को मार्शल लॉ घोषित किया, सैनिकों को नेशनल असेंबली में तैनात किया ताकि सांसदों को इस आदेश को रद्द करने से रोका जा सके और नेताओं की गिरफ्तारी का आदेश दिया।
मून ने कहा, "संवैधानिक व्यवस्था पर प्रतिवादी के कानून के उल्लंघनों के नकारात्मक प्रभाव और परिणाम गंभीर हैं, जिससे संविधान की रक्षा के लिए प्रतिवादी को पद से हटाने के लाभ राष्ट्रीय नुकसान से कहीं अधिक हैं।"
न्यायालय ने यून के खिलाफ लगभग सभी

आरोपों को मान्यता दी, जिसमें यह भी शामिल था कि उन्होंने मार्शल लॉ घोषित करने के लिए कानूनी आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया और असेंबली को इस आदेश को पलटने से रोकने के लिए सैनिकों को भेजा।
सत्तारूढ़ पीपल पावर पार्टी ने कहा कि वह न्यायालय के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करती है, जबकि मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसे जनता की जीत के रूप में स्वागत किया।
इससे पहले, नेशनल असेंबली सचिवालय ने गुरुवार से रविवार तक बाहरी लोगों के लिए पूरी तरह से प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया था। इस अवधि के दौरान सांसदों द्वारा आयोजित सभी निर्धारित सेमिनार और कार्यक्रम रद्द कर दिए गए थे।
नेशनल असेंबली स्पीकर के कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया, "हमने बाहरी लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है और किसी भी संभावित स्थिति के खिलाफ एहतियात के तौर पर अपनी पुलिस और सुरक्षा को काफी हद तक मजबूत किया है।"

पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के खिलाफ एक्शन शुरू, सैंकड़ों को पकड़ कर शिविरों में भेजा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने अफगान नागरिकों के खिलाफ एक बड़ी राष्ट्रव्यापी कार्रवाई शुरू की है। इसके तहत 'अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी)' धारकों सहित सैकड़ों 'अवैध विदेशियों' को गिरफ्तार किया गया, और फिर उन्हें अफगानिस्तान वापस भेजने के लिए शिविरों में भेज दिया गया।
पाकिस्तान में अफगान नागरिकों की स्वैच्छिक वापसी के लिए निर्धारित 31 मार्च की समय-सीमा के बाद सैकड़ों अफगान नागरिकों को हिरासत में लिया गया है और उनके परिवारों के साथ उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि सुरक्षा बलों को जारी निदेर्शों से पता चलता है कि यदि कोई भी अफगान नागरिक आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, तो पूरे परिवार को निर्वासन का सामना करना पड़ेगा।
काबुल में तालिबान सरकार ने इस्लामाबाद से पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के प्रत्यावर्तन की प्रक्रिया में देरी का अनुरोध किया था, लेकिन इस्लामाबाद इसमें ढील देने के मूड में नहीं है।
अफगान सरकार ने कहा, "उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने नए सिरे से कार्रवाई की घोषणा की है, जिसमें कहा गया कि वह बिना कानूनी निवास परमिट वाले व्यक्तियों को निर्वासित करेगा, जबकि वैध कार्डधारकों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा।"
पाकिस्तान में यूएनएचसीआर की प्रतिनिधि फिलिप कैंडलर ने कहा, "पाकिस्तान से यह अपेक्षा नहीं की जा

सकती कि वह अनिश्चित काल तक अफगान शरणार्थियों की मेजबानी की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाए। मानवीय सहायता की जरूरत है, न केवल अल्पकालिक राहत के लिए बल्कि दीर्घकालिक विकास पहलों को समर्थन देने के लिए भी।"
समय सीमा को आगे न बढ़ाने और कार्रवाई शुरू करने का निर्णय पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन रजा नकवी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच हुई बैठक के दौरान लिया गया।
सरकारी प्राधिकारियों ने कड़ी चेतावनी जारी की थी कि 31 मार्च तक देश नहीं छोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।
जानकारी के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में अफगान शरणार्थियों को रखने के लिए कम से कम 43 शिविर स्थापित किए गए हैं।
सूत्रों का कहना है कि अधिकारी छापेमारी करेंगे और देश में अवैध रूप से रह रहे अफगानों को हिरासत में लेंगे, जिन्हें फिर शरणार्थी शिविरों में स्थानांतरित किया जाएगा। फिर उन्हें प्रत्यावर्तन के लिए तोरखम पाक-अफगान सीमा पर लांडी कोटल क्षेत्र में ले जाने से पहले सूचीबद्ध किया जाएगा।
आंकड़े बताते हैं कि देश में कम से कम 13,44,584 अफगान नागरिक हैं, जिनमें से कम से कम 7,09,278 अफगान नागरिक केपी में रहते हैं, जिनके पास पंजीकरण प्रमाण (पीओआर) है।
प्रांतीय आंकड़ों से पता चलता है कि बलूचिस्तान में कम से कम 3,17,000 पंजीकृत अफगानी हैं, सिंध में 74,117, पंजाब में 1,96,000, राजधानी इस्लामाबाद में 42,718 और देश के अन्य हिस्सों में 4,448 अफगान शरणार्थी हैं।